CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-353
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सफलता का कोई रहस्य नहीं है, वह केवल अत्यधिक परिश्रम चाहती है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 31 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

'भोग' पर असमंजस...1 अप्रैल से उज्जैन में काल भैरव को कैसे चढ़ेगी शराब?

उज्जैन। मप्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से राज्य के 17 प्रमुख धार्मिक शहरों में शराबबंदी लागू करने का फैसला लिया है। इसमें उज्जैन भी शामिल है, जहां काल भैरव मंदिर में श्रद्धालु वर्षों से भगवान को शराब अर्पित करते आए हैं। अब इस शराबबंदी के आदेश के कारण यह सवाल उठ रहा है कि काल भैरव को शराब भोग कैसे अर्पित किया जाएगा, क्योंकि मंदिर के पास स्थित शराब के काउंटर भी बंद होने वाले हैं। उज्जैन में काल भैरव मंदिर के सामने दो शराब काउंटर हैं, जो केडी गेट और छतरी चौक के पास स्थित हैं। ये काउंटर स्थानीय शराब दुकानों से जुड़े हुए हैं, जहां से श्रद्धालु शराब खरीदकर भगवान को अर्पित करते हैं। हालांकि, सरकार के आदेश के बाद केडी गेट के शराब काउंटर बंद हो जाएंगे, और इस स्थिति में मंदिर में शराब अर्पित करने की व्यवस्था कैसे होगी, यह स्पष्ट नहीं है।

कलेक्टर ने शासन को भेजा पत्र

उज्जैन के कलेक्टर नीरज सिंह ने काल भैरव मंदिर के शराब काउंटर को यथावत बनाए रखने के लिए शासन को एक पत्र भेजा है। लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें अभी तक इस मामले में कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। इस असमंजस की स्थिति ने श्रद्धालुओं और स्थानीय प्रशासन के बीच चिंता का विषय बना दिया है।

उज्जैन नगर निगम क्षेत्र में स्थित 17 कंपोजिट मदिरा दुकानें और 11 होटल/रेस्त्रां बार पूरी तरह बंद हो जाएंगे। इसके अलावा, नगर निगम क्षेत्र में यदि किसी के पास शराब होगी तो वह नियमानुसार आधिपत्य सीमा में रख सकते हैं, लेकिन अगर सीमा से अधिक शराब पाई गई, तो आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

असमंजस की स्थिति पर विचार

प्रशासन इस असमंजस की स्थिति पर विचार कर रहा है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि 1 अप्रैल के बाद काल भैरव मंदिर में शराब भोग की अर्पित करने की प्रक्रिया कैसे चलने वाली है। अब देखना यह होगा कि सरकार और प्रशासन इस मुद्दे का समाधान किस तरह से निकालते हैं, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

अष्टमी पर्व पर भी लगता है भोग

उज्जैन का काल भैरव मंदिर अपनी अनूठी परंपरा के लिए जाना जाता है. यहां भक्त भगवान को शराब अर्पित करते हैं। यह मंदिर न केवल श्रद्धालुओं का केंद्र है, बल्कि यहां की परंपराएं भी मंदिर से जुड़ी आस्था का अहम हिस्सा हैं। काल भैरव को बाबा महाकाल का सेनापति कहा जाता है। काल भैरव जैसे प्रतिष्ठित मंदिरों और नवरात्र के समय अष्टमी पर्व पर माता को मदिरा का भोग लगता है। अब इस को ध्यान में रखते हुए सरकार और प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती है। धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए शराबबंदी लागू करना एक संतुलनकारी कदम है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आबकारी नीति में क्या बदलाव होते हैं और श्रद्धालुओं की आस्था को कैसे बनाए रखा जाएगा।

निकल सकते हैं ये रास्ते

कलेक्टर नीरज सिंह के मुताबिक चूंकि शहरी क्षेत्र में ही प्रतिबंध है, जिले में दुकानें रहेंगी। काल भैरव मंदिर के पास शहरी सीमा से बाहर जो भी नजदीकी दुकान होगी, उससे उसको जोड़ दिया जाएगा। वहीं उज्जैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास महाराज ने कहा था कि सरकार शराब बंदी लागू करे, लेकिन काल भैरव मंदिर में खास ध्यान देकर नई नीति बनाएं, ताकि लोग इसे सिर्फ चढ़ाने के उद्देश्य से ही खरीद सकें। साथ ही भक्तों को दुकान से शराब सीमित मात्रा में ही मिले।

1 अप्रैल से इन शहरों में शराबबंदी लागू

1 अप्रैल से लागू होने वाली शराबबंदी के तहत मध्यप्रदेश के उज्जैन, ओंकारेश्वर, मंडलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक जैसे प्रमुख धार्मिक शहरों के नगर निगम क्षेत्रों में शराब की दुकानों और बार को बंद किया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में भी शराब की दुकानों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन काल भैरव मंदिर के सामने स्थित शराब काउंटर का उल्लेख गजट में नहीं किया गया है।

इंदौर-भोपाल सहित चार नगर निगमों को मिलेगी विशेष निधि

पिछले साल की तुलना में 15 % अधिक राशि वसूली

भोपाल। राजधानी भोपाल सहित चार नगर निगमों को 50 करोड़ रुपए से लेकर सौ करोड़ रुपए तक विशेष निधि मिलेगी। इन निकायों ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 15 प्रतिशत अधिक राशि वसूल की है। पंद्रहवें वित्त आयोग ने उन निकायों को विशेष अनुदान के रूप में 50 करोड़ से लेकर सौ करोड़ रुपए तक देने का वादा किया है। यह राशि निकायों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन को मजबूत करने में उपयोग की जाएगी। प्रदेश में नगरीय निकाय बकायादारों से वसूली के लिए विभिन्न प्रयास कर रहे हैं। अब तक 2800 करोड़ रुपए की वसूली हो चुकी है और अगले तीन दिनों में 3300 करोड़ रुपए से अधिक राशि वसूलने का अनुमान है। इस राशि को प्रदेश के 413 निकायों में वितरित किया जाएगा, जिसके चलते इन निकायों ने अवकाश के दिनों और ऑफिस समय के अलावा भी कार्यालय खोले हैं।वसूली की गति धीमी होने के कारण जबलपुर, खंडवा, सिंगरौली सहित दस नगर निगमों पर विशेष निधि मिलने का संकट है। इन निकायों में पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा वसूली तो हुई है, लेकिन 15 प्रतिशत की वसूली तक पहुंच पाना मुश्किल लग रहा है। नगर परिषदों में वसूली की गति बहुत धीमी है। यहां पुराने बकायादारों से राशि वसूलना कठिन हो रहा है और जन प्रतिनिधियों का सहयोग भी सीमित है। इसके साथ ही कर्मचारियों की भी कमी है, जिसके चलते नगर परिषदों में जल कर, संपत्तिकर सहित अन्य 60 प्रतिशत तक वसूली नहीं हो पाई है।

सत्र 2025-26 से सभी स्नातक विद्यार्थियों के लिए अप्रेंटिसशिप जरूरी

यूजीसी ने रोजगार से जोड़ने के लिए तैयार की गाइडलाइन

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से सभी स्नातक विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से अप्रेंटिसशिप करनी होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में पहली बार अप्रेंटिसशिप गाइडलाइन जारी की है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत लागू होगी। इसमें छात्रों को उद्योगों में रोजगार के लिए तैयार करना, संस्थान व उद्योग के बीच तालमेल बढ़ाने और कौशल की कमी दूर करने के लिए काम करना होगा।नए दिशा-निर्देश के तहत तीन वर्षीय डिग्री में एक से तीन सेमेस्टर और चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम में दो से चार सेमेस्टर अप्रेंटिसशिप के रहेंगे। तीन महीने की अप्रेंटिसशिप में विद्यार्थियों को 10 क्रेडिट स्कोर भी मिलेंगे। यह कदम छात्रों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए किया जा रहा है।उच्च शिक्षण संस्थान उद्योगों में मौजूद सुविधाओं के आधार पर अप्रेंटिसशिप की सीट तय कर सकेंगे। संस्थानों को अप्रेंटिसशिप के लिए सीधे राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना के पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके लिए उद्योग और केंद्र सरकार से स्टाइपेंड भी मिलेगी।दिशा-निदेर्शों के तहत अब विद्यार्थियों की मार्कशीट पर अप्रेंटिसशिप व क्रेडिट स्कोर की जानकारी लिखकर देनी होगी। अप्रेंटिसिशिप कराने की जिम्मेदारी संबंधित संस्थान की होगी। पहले सेमेस्टर में अप्रेंटिसशिप नहीं होगी, लेकिन आखिरी सेमेस्टर में अनिवार्य रहेगी।इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य छात्रों को उद्योगों में काम करने के लिए तैयार करना है। उच्च शिक्षण संस्थान अपने उपलब्ध संसाधनों और उद्योगों में उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर अप्रेंटिसशिप सीटों का निर्धारण करेंगे। इसके अलावा, केंद्र सरकार और उद्योगों से स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के दौरान वित्तीय सहायता मिल सके।

मप्र में अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां पहले तेज गर्मी से लोग परेशान हो रहे थे। वहीं पिछले तीन दिन से तापमान में गिरावट हुई है। रविवार को प्रदेश में सबसे गर्म मंडला रहा यहां का अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। 1 और 2 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के पूर्वी हिस्से रीवा, शहडोल संभाग में भी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में ओले गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से मौसम बदल सकता है। 30 मार्च को दिन-रात के तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर में दिन का पारा 35-36 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रह सकता है। रात में भी पारा कम ही रहेगा। अप्रैल महीने की शुरूआत में भले ही बारिश और ओले का अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन इसके बाद लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना ज्यादा है, जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

गर्मी के बीच बिजली का झटका

मप्र में बिजली की दरों में बढ़ोतरी,राज्य विद्युत नियामक आयोग ने दरों में 3.46% बढ़ोतरी की दी मंजूरी

-नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी, मई से बढ़ा हुआ आएगा बिजली बिल

-100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है

-स्मार्ट मीटर वाले ग्राहकों को दिन में बिजली खपत पर 20त्न तक की छूट

-अटल गृह ज्योति योजना के तहत पहले की तरह 100 रुपए ही चुकाने होंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में गर्मी के मौसम में आम जनता को बिजली का बड़ा झटका लगा है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की दरों में 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। हालांकि, स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन में बिजली खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने नया टैरिफ ऑर्डर जारी किया है, जो जल्द ही लागू होगा। बिजली कंपनी ने 7.52 फीसदी की बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन के समय बिजली की खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी, और इन उपभोक्ताओं को मीटरिंग प्रभार भी नहीं देना होगा। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है, लेकिन अटल गृह ज्योति योजना के तहत उन्हें पहले की तरह 100 रुपए ही चुकाने होंगे। बढ़ी हुई राशि राज्य सरकार सब्सिडी के रूप में भुगतान करेगी। इसके अलावा, सभी लो प्रेशर और हाई प्रेशर मौसम वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत देते हुए न्यूनतम प्रभार को समाप्त कर दिया गया है। नई बिजली दरें अप्रैल से लागू हो जाएंगी, और मई महीने से उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई दरों के साथ बिल मिलेगा। 50 यूनिट तक बिजली जलाने वाले उपभोक्ताओं को 18 पैसे प्रति यूनिट ज्यादा चुकाने होंगे, वहीं 150 यूनिट तक खपत करने पर 26 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली का बिल आएगा।

अब प्रति यूनिट इतना देना होगा बिल 0 से 50 यूनिट: इस स्लैब के बिजली उपभोक्ताओं को पहले 4.27 प्रति यूनिट के हिसाब से बिल देना होता था, उन्हें अब 4.45 प्रति यूनिट के हिसाब से बिल देना होगा।

51 से 150 यूनिट: इस स्लैब के बिजली उपभोक्ताओं को पहले 5.23 यूनिट के हिसाब से बिल भुगतान करना होता था, उन्हें अब 5.41 यूनिट के हिसाब से बिल देना होगा।

151-300 यूनिट: इस स्लैब के उपभोक्ताओं को पहले 6.61 यूनिट के हिसाब से बिल भुगतान करना होता था, अब 6.79 प्रति यूनिट के हिसाब से बिल भुगतान करना होगा।

300 यूनिट से ज्यादा: जिन उपभोक्ताओं की बिजली खपत हर माह 300 यूनिट से ज्यादा है। उन्हें पहले 6.80 यूनिट के हिसाब से बिल देना होता था, अब 6.98 यूनिट के हिसाब से बिल देना होगा।

यह मिली नए टैरिट में राहत बिजली कंपनियां अब स्मार्ट मीटर लगा रही हैं। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को टैरिफ में आंशिक छूट मिलेगी। इसी तरह सोलर अवधि में ऊर्जा प्रभार में 20 फीसदी की छूट मिलेगी। प्रीपेड उपभोक्ताओं को छूट और प्रोत्साहन की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। 10 किलोवाट से ज्यादा भार वाले निम्न दाब श्रेणी को एवं सामान्य जल प्रदाय, स्ट्रीट लाइट एवं एचवी-6 के उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे डैरिफ में लाया जाएगा। उच्च दाब उपभोक्ताओं को रात में उपभोग पर पहले की तरह आंशिक संशोधन के साथ राहत मिलती रहेगी। ऊर्जा प्रभार में जून से सितंबर तक 10 फीसदी और बाकी महीनों में 7.50 फीसदी की राहत मिलने का प्रावधान है। उच्च दाब, अति उच्च दाब उपभोक्ताओं को छूट और प्रोत्साहन की व्यवस्था रहेगी।

क्या है टाइम ऑफ डे फार्मूला इस बार 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं, सामान्य जलप्रदाय और स्ट्रीट लाइट उपभोक्ताओं के लिए टाइम ऑफ-डे फार्मूला लागू किया जाएगा। इसके तहत पीक आवर्स (सुबह 6-9 बजे और शाम 5-10 बजे) में बिजली रेट ज्यादा होंगे। साथ ही सुबह 9 से शाम 5 बजे तक 20 फीसदी की छूट दी जाएगी। रात 10 से सुबह 6 बजे तक सामान्य दरें लागू रहेंगी।

पिक आवर्स में अधिभार से छूट टाइम ऑफ-डे फार्मूला 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले उपभोक्ताओं पर लागू होगा। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सौर घंटों (सुबह 9 से शाम 5 बजे तक) में 20त्न छूट और पिक आवर्स में अधिभार से राहत दी जाएगी।

37 लाख कृषि उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ नियामक आयोग द्वारा 29 मार्च 2025 को जारी विद्युत दरों के अनुसार क्रमश: 3 हॉर्स पॉवर, 5 हॉर्स पॉवर एवं 10 हॉर्स पावर के पंप पर कृषि उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष में 30,730 रुपए, 54,671 रुपए एवं 1,15,655 रुपए का देयक बनता है। इसमें राज्य शासन द्वारा कृषि पंपो पर की गई सब्सिडी की घोषणा अनुसार किसानों को मात्र 750 रुपए प्रति हॉर्स पॉवर प्रति वर्ष अर्थात किसानों को 3 हार्स पॉवर पंप पर 2250 रुपए, 5 हार्स पॉवर के पंप पर 3750 रुपए एवं 10 हार्स पॉवर के पंप पर 7500 रुपए का ही भुगतान करना होगा।

दो माह चलेगी इंदौर से दिल्ली और पटना के लिए दो स्पेशल ट्रेन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पश्चिम रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए ग्रीष्मकाल के दो माह में इंदौर से हजरत निजामुद्दीन और पटना के लिए दो स्पेशन ट्रेन का संचालन शुरू करेगा। दोनो स्पेशल ट्रेनो की बुकिंग भी रेल विभाग ने शुरू कर दी है। दोनो ट्रेने सप्ताह में दो दिन चलेगी। इंदौर से सप्ताह में दो दिन शाम पांच बजे इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन संख्या 09309 शुक्रवार और रविवार को चलेगी। जो दूसरे दिन सुबह पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसका संचालन 4 अप्रैल से शुरू होगा, 29 जून तक चलेगी। इसी तरह हजरत निजामुद्दीन से 09310 ट्रेन हर रविवार और सोमवार को सुबह 8.20 बजे चलेगी और रात को 9 बजे इंदौर

पहुंचेगी। इस ट्रेन का स्टॉपेज नागदा, उज्जैन और देवास भी रहेगा। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से 5 अप्रैल,से 30 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे। इसी तरह महू से पटना के लिए ट्रेन संख्या 09343/09344 हर गुरुवार को शाम साढ़े छह बजे महू से जाएगी और अगले दिन शुक्रवार को शाम साढ़े छह बजे पटना पहुंचेगी। इस ट्रेन का इंदौर (19.05/19.15) बजे, फतेहाबाद (20.08/20.10) बजे, उज्जैन(20.45/20.55) बजे एवं मक्सी(21.25/21.27) बजे प्रति गुरूवार को आगमन/प्रस्थान होगा।यह ट्रेन महू से 3 अप्रैल से 26 जून तक चलेगी।

महू -पटना स्पेशल (साप्ताहिक) ट्रेन संख्या 09343 महू- पटना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को शाम 5.30 बजे महू से से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शुक्रवार को शाम 5.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09344 पटना से रात 8.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन शनिवार को रात11.20 बजे महू पहुंचेगी। इस ट्रेन का मक्सी(19.00/19.02), उज्जैन (20.35/20.40) फतेहाबाद(21.10/21.12) एवं इंदौर (22.10/22.15) बजे प्रति शनिवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन पटना से 04 अप्रैल से 27 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी, स्लीपर एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

इंदौर से सप्ताह में दो दिन शाम पांच बजे इंदौर-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन शुक्रवार और रविवार को चलेगी। जो दूसरे दिन सुबह पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसका संचालन 4 अप्रैल से होगा।

56 दुकान पर कचरा कर रहीं 38 दुकानें निगम ने डेढ़ लाख के चालान बनाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 56 दुकान को स्वच्छता का तमगा दिया गया था, लेकिन समय के साथ यह स्थान अव्यवस्थाओं से भर गया। अब यहां गंदगी और कचरा साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, कुछ दुकानदार बिना लाइसेंस के भी दुकान चला रहे थे। इस स्थिति को सुधारने के लिए मोबाइल कोर्ट ने 56 दुकान और उसके आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान, दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी व कचरे के लिए 38 दुकानदारों के चालान बनाए गए। कुल मिलाकर डेढ़ लाख से ज्यादा की राशि वसूली गई।मोबाइल कोर्ट की कार्रवाइयां कुछ दिनों से पुनः शुरू की गई हैं और विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश गुप्ता के निर्देश पर मोबाइल कोर्ट और निगम की टीम ने 56 दुकान और आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान कई दुकानदारों के पास लाइसेंस नहीं थे, जबकि कुछ स्थानों पर सड़कों तक कब्जे किए गए थे। इसके बाद निगम अधिकारियों ने 38 दुकानों के चालान किए और उनसे 1 लाख 58 हजार की राशि वसूली। इस कार्रवाई का अभियान 56 दुकान के अलावा आसपास के अन्य बाजारों में भी जारी रहा।

कब्जे और अव्यवस्थाओं पर कार्रवाई

मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान, कुछ दुकानों के बाहर तक सामान रखा गया था,

जिससे रास्तों पर कब्जे की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।

यह सब देखते हुए निगमकर्मियों ने दुकानदारों से सख्ती से कार्रवाई की। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान कुछ जगहों पर विवाद भी हुआ। दुकानदारों और निगमकर्मियों के बीच कहा-सुनी और झगड़े की स्थिति भी उत्पन्न हुई। इस तरह की घटनाओं के बावजूद कार्रवाई जारी रही, ताकि अव्यवस्था को रोका जा सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान 38 से ज्यादा दुकानदारों के चालान बनाए गए, जिनसे कुल 1 लाख 58 हजार रुपए की राशि वसूली गई। इस प्रक्रिया के तहत दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए।

निगम का उद्देश्य 56 दुकान और आसपास के बाजारों को साफ और व्यवस्थित बनाना है, ताकि यहां के लोग और दुकानदार बेहतर माहौल में काम कर सकें।

हत्या, पांच लोग गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में कनाड़िया गांव में एक किसान की पांच लोगों ने हत्या कर दी। आठ बीघा जमीन करोड़ों रुपये की थी और जिन लोगों को किसान परिवार ने जमीन खेती करने के लिए दी थी, वे उसका कब्जा नहीं छोड़ रहे थे। किसान ने इसकी शिकायत अफसरों को की थी। खेत पर कब्जा करने वाले किसान पर समझौता करने का दबाव बना रहे थे।शुक्रवार को किसान बाबूलाल उर्फ गब्बर परमार का शव खेत में मिला था। परिजनों ने हत्या की शंका जताई थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बाबूलाल के पिता की आठ बीघा जमीन है। जिस पर बाबूलाल और उसके तीन भाई और दो बहनों का हिस्सा है। हिस्सेदारों ने यह जमीन खेती के लिए मान सिंह परिहार और घनश्याम परिहार को दी थी। करोड़ों की कीमत होने के कारण आरोपी ने खेती का कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया।इसे लेकर बाबू सिंह का मान सिंह और घनश्याम से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन आरोपियों ने बाबूलाल को रोका और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके सिर में अंदरुनी चोट आई। बाबूलाल जब घर नहीं लौटा तो शनिवार को परिजनों ने खोजबीन की। उसका शव खेत में पड़ा मिला।

पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से जमीन अपने नाम करा ली थी, लेकिन बाबूलाल कलेक्टर कार्यालय में लगातार आरोपियों के खिलाफ शिकायत कर रहा था। आरोपी जमीन किसी बिल्डर को बेचना चाहते थे। आरोपी बाबूलाल को 35 लाख रुपये देकर समझौता करना चाहते थे, लेकिन बाबूलाल डेढ़ करोड़ रुपये मांग रहा था। इसके बाद आरोपियों ने उसकी हत्या करने की योजना बनाई थी।

8 बीघा पुश्तैनी जमीन का मामला

जांच में पता चला कि 8 बीघा पुश्तैनी जमीन बाबूलाल के पिता के नाम पर थी, जिसमें उसके भाई हेमसिंह, फूलचंद, ठाकर सिंह और दो बहनों के साथ उसका भी हिस्सा था। यह जमीन मानसिंह परिहार, घनश्याम परिहार और लालचंद हिरासत को दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसका सौदा अनूप नामक बिल्डर से कर लिया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बाबूलाल के रिश्तेदार विक्रम पुत्र प्रभुलाल मालवीय और मुकेश पुत्र रतनसिंह मडलाई उसे रास्ते में मिले थे और बाद में छोड़कर चले गए थे। फिर तीन अन्य आरोपियों ने उसे रास्ते में रोका, धमकाया और मारपीट की, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई।

35 लाख दे रहे थे आरोपी,डेढ़ करोड थी डिमांड

हत्या के पीछे जमीन के सौदे का विवाद था। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से यह जमीन अपने नाम कराई थी, लेकिन बाबूलाल ने कलेक्टर और अन्य अधिकारियों से इसकी शिकायत की थी। वह लगातार इस सौदे का विरोध कर रहा था। आरोपी उसे 35 लाख रुपए देने को तैयार थे, लेकिन बाबूलाल डेढ़ करोड़ रुपए की मांग कर रहा था। इस विवाद के चलते आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या कर दी।

मालवा मिल-पाटनीपुरा मार्ग चार माह के लिए होगा बंद, पुराना ब्रिज टूटकर बनेगा नया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के मालवा मिल-पाटनीपुरा मार्ग को चार माह के लिए बंद करने का फैसला नगर निगम ने लिया है। शनिवार रात को मार्ग पर मार्ग पर ट्रैफिक बंद होने के बोर्ड भी नगर निगम ने लगा दिए। चार माह तक वाहन चालकों को अब दूसरे मार्गों से गंतव्यों तक जाना होगा। इस मार्ग पर 100 साल पुराने ब्रिज को तोड़कर छह लेन नया ब्रिज बनाया जाएगा। इसके लिए मार्ग को बंद करना होगा। इसकी सूचना नगर निगम ने जगह-जगह होर्डिंग टांग कर दे दी है। उधर नगर निगम के मार्ग बंद किए जाने के कारण व्यापारी खुश नहीं है। उनका कहना है कि चार माह तक मार्ग बंद रहने से हमारा व्यापार प्रभावित होंगे। इससे ग्राहकी टूटेगी

और धंधा भी पहले की तुलना में कम होगा। कई व्यापारी दुकानें खाली कर जा चुके है।

दूसरे मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ेगा

पाटनीपुरा शहर के व्यस्त मार्गों में से एक है। दिनभर में 70 हजार से ज्यादा वाहन इस मार्ग पर आवाजाही करते है। अब इन वाहनों को विश्रांति मार्ग या अटल द्वार रोड से जाना होगा, हालांकि इन दोनो मार्गों पर भी सुबह और शाम के समय ट्रैफिक का दबाव रहता है। नगर निगम ने दस साल पहले मालवा मिल से पाटनीपुरा सड़क 80 फीट चौड़ी की थी। तब मार्ग सालभर के लिए बंद हुआ था, लेकिन तब नगर निगम ने ब्रिज का निर्माण नहीं किया। तब हो जाता तो फिर मार्ग को ट्रैफिक के लिए बंद नहीं करना पड़ता।

छह करोड़ में बनेगा ब्रिज

नगर निगम छह करोड़ रुपये की लागत से ब्रिज का निर्माण करेगा। इसके लिए कुछ अतिक्रमण हटाए जाना है। ब्रिज तोड़ने का काम रविवार से शुरू होगा। रात को मार्ग पर ट्रैफिक पर रोक लगाने के बोर्ड लगा दिए गए, हालांकि मार्ग पूरी तरह बंद नहीं किया गया, लेकिन सोमवार से मार्ग पर ट्रैफिक पुरी तरह से रोक दिया जाएगा।

सराफा में युवती से छेड़छाड़, बचाने आई बहन और दोस्त को भी मनचले ने पीटा

इंदौर। इंदौर के सराफा क्षेत्र में छुट्टी वाले दिन काफी भीड़ रहती है। इसका फायदा मनचले भी उठाने लगे है। वे युवतियों से बेड टच और छेड़छानी करते है। शनिवार को भी एक मनचले ने छेड़खानी की तो युवती ने विरोध किया। इससे नाराज युवक और उसके साथी ने युवती, उसकी बहन को पीटना शुरू कर दिया। युवती का दोस्त बीच-बचाव के लिए आया तो उसे भी पीटा। पुलिस अधिकारियों ने मामला संज्ञान में लिया और आरोपियों की खोजबीन शुरू की दी है। छेड़खानी की घटना सराफा में देर रात को हुई। यहां साधु वासवानी नगर निवासी युवती अपनी बहन और दोस्तों के साथ आई थी। एक दुकान पर युवक ने उसे गलत तरीके से छुने की कोशिश की। युवती ने विरोध किया तो युवक अश्लील कमेंट लगा।

युवती ने भी कुछ बोला तो युवक ने अपशब्द कहना शुरू कर दिए। इस बीच आरोपी का साथी भी आ गया। युवक ने युवती के बाल खींच लिए। युवती की बहन और उसका दोस्त बचाने के लिए आया तो आरोपी और उसके दोस्त ने भीड़ भरे सराफा में मारपीट शुरू की दी।

दुकानदारों ने बीच-बचाव कर दोनो को अलग किया। इसके बाद आरोपी अपने साथी के साथ भाग गया। मारपीट में युवती के चेहरे पर गंभीर चोट आई है। युवती की शिकायत पर सराफा थाने ने छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है, हालांकि आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश कर रही है। सराफा में पहले भी छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी है।

ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरने से मौत

इंदौर। इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी, जिसमें एक ड्राइवर की बिल्डिंग से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब सुनील दरबार नामक व्यक्ति को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय सुनील दरबार के रूप में हुई है, जो नीलगिरी परिसर में रहता था। परिजनों के मुताबिक, सुनील ड्राइवर का काम करता था और शनिवार को अमावस्या के दिन वह घर पर ही था। वह कुछ देर के लिए बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला लेकिन थोड़ी देर बाद परिवार को तेज आवाज सुनाई दी। जब वे बाहर झांके, तो देखा कि सुनील जमीन पर गिरा हुआ था। तत्काल परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वह बच नहीं सका।

परिजनों का कहना है कि सुनील मूल रूप से ठीकरी का निवासी था। उसकी पत्नी दीपिका, 10 साल की बेटी और डेढ़ साल का बेटा है। बाकी परिवार अभी भी ठीकरी में रहता है। सुनील की इस दुखद मृत्यु से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस इस घटना को लेकर विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सुनील गलती से गिरा था या उसने आत्महत्या की थी। पुलिस मामले में परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि सही कारण का पता चल सके। मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी एंगल्स पर गौर करके निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश कर रही है।

विक्रम संवत् 2082 के शुभारंभ पर ज्योतिष दिवस मनाया गया

इंदौर। इंदौर में विक्रम संवत् 2082 के शुभारंभ पर ज्योतिष दिवस मनाया गया। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर एक होटल में देवगुरुकुलम और ज्योतिषीय संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत चैत्रीय पंचांगों के पंचोपचार पूजन से हुई। इस अवसर पर विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत, मध्यप्रदेश ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा, भागवत प्रवक्ता आचार्य संतोष भार्गव, महंत जुगल बाबा और ज्योतिष विदुषी संगीता शर्मा मौजूद रहे। देवकुलम के संस्थापक देवेंद्र सिंह कुशवाह ने सभी अतिथियों का उत्तरीय, दुपट्टा और तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मान किया। आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा ने कहा कि ज्योतिष एक विज्ञान है और यह शाश्वत सत्य है। उन्होंने बताया कि जन्म से मृत्यु तक ज्योतिष शास्त्र एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। भागवत प्रवक्ता संतोष भार्गव ने ज्योतिष के पुरातन महत्व और गणित को समझाया। महंत ने इसे जनोपयोगी विज्ञान बताया। महंत जुगल बाबा और संगीता शर्मा ने माता-पिता की सेवा का महत्व बताते हुए कहा कि जो लोग अपने माता-पिता की सेवा करते हैं, उनके ग्रह स्वतः अनुकूल हो जाते हैं।

नगर निगम ने इमारतों की अग्निशमन सुरक्षा को लेकर जारी की चेतावनी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम ने बड़ी इमारतों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर से सार्वजनिक सूचना जारी की है। निगम ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी दिनों में इन इमारतों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर कोई सुधार नहीं किया जाता है, तो निरीक्षण के बाद इन भवनों को सील कर दिया जाएगा। इससे पहले भी नगर निगम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया था, जिसके तहत कई इमारतों को सील किया गया था। अब एक बार फिर से इस अभियान को चलाने की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों से दिशा-निर्देश मिलने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की योजना तैयार की है।

नगर निगम ने अपने नवीनतम सार्वजनिक सूचना में यह भी बताया कि जी प्लस और उससे ऊंचे आवासीय भवनों में अग्निशमन सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रावधान किए जाने चाहिए। संबंधित भवनों के मालिकों को चेतावनी दी गई है कि यदि निरीक्षण के दौरान कोई भी खामी या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित इमारतों को नगर निगम द्वारा सील किया जाएगा। यह कदम सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शहरवासियों को जागरूक करने और अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन

सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सफाई व्यवस्था के लिए नई जेसीबी की तैनाती

नगर निगम ने सफाई व्यवस्था और अन्य कार्रवाई के लिए अब तक की सबसे बड़ी पहल की है। पहले जेसीबी की कमी के कारण कर्मचारियों और अधिकारियों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 11 नई जेसीबी खरीदी हैं, जिनका महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा लोकार्पण किया गया। यह जेसीबी शहर के विभिन्न झोनलों में तैनात की जाएंगी, ताकि सफाई और अन्य कार्यों में कोई रुकावट न आए।

संसाधनों में वृद्धि और भविष्य की योजनाएं

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, अब हर झोन पर दो-दो जेसीबी और डंपर तैनात रहेंगे। निगम के पास पहले से ही डंपरों का एक बड़ा बेड़ा मौजूद है। इसके अलावा, निगम द्वारा 17 करोड़ रुपये की लागत से कुछ और संसाधन खरीदे जाने हैं। आने वाले दिनों में निगम को ड्रेनेज सफाई के लिए अत्याधुनिक गाड़ियां भी मिलेंगी, जो सफाई के कार्यों को और अधिक प्रभावी और तेज बनाएंगी। इन प्रयासों से निगम की कार्यक्षमता और सफाई व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है।

12 साल बाद होंगे साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है। मप्र राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने ये चुनाव 5 मई से सितंबर तक कराने का निर्णय लिया है। इससे पहले यह चुनाव 2013 में हुए थे और तब से अब तक पैक्स के चुनाव नहीं हो पाए थे। इसके लिए मतदाता सूची तैयार करने का काम तेजी से शुरू हो गया है। 14 मई को सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। मप्र राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने चुनाव कार्यक्रम एक साल पहले जारी किया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसे टाल दिया गया था। अब, प्रदेश की 4531 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में अध्यक्ष और सदस्यों के चुनाव किए जाएंगे। यह चुनाव किसानों के जरिए किए जाते हैं। चुनाव चार चरणों में होंगे और इस प्रक्रिया के

तहत समितियों और बैंकों में संचालक मंडल का गठन किया जाएगा। वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले जबलपुर में चुनाव को लेकर एक याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने दिसंबर 2023 में चुनाव कराने के निर्देश दिए, लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण चुनाव प्रक्रिया में और देरी हुई।

चुनाव न होने से यह दिक्कत

चुनाव न होने के कारण समितियों और बैंकों में नीतिगत निर्णय नहीं लिए जा पा रहे हैं। किसानों से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा, समितियों के विस्तार और कारोबार में भी निर्णय समय पर नहीं हो पा रहे हैं। प्रशासक केवल प्रशासनिक कामों पर ध्यान देते हैं, जिससे समितियों की प्रमुख गतिविधियों में देरी होती है।

इन समस्याओं का समाधान होगा

यह चुनाव पिछले कई वर्षों से लंबित हैं, लेकिन अब प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो रही है। इसके तहत, 25 हजार से अधिक कर्मचारियों की जरूरत होगी, जिन्हें जीएडी से आदेश जारी कर चुनाव कराने के लिए नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, चुनाव को सुचारू रूप से संचालन के लिए पुलिस बल की भी आवश्यकता होगी। चुनाव न होने के कारण, प्रदेश की लगभग 4531 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में फिलहाल प्रशासक कार्यरत हैं। इसी तरह प्रदेश के 38 जिला सहकारी बैंकों और अपेक्स बैंक में भी प्रशासक कार्य कर रहे हैं।

2013 में हुए थे चुनाव

वर्ष 2013 में चुनाव के बाद पांच वर्ष के लिए संचालक मंडल ने काम किया। इसके बाद वर्ष 2018 में चुनाव होना था, लेकिन विधानसभा चुनाव के चलते पैक्स चुनाव टल गया। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव आ गया। इसके बाद कांग्रेस सरकार चुनाव की तैयारी करा रही थी, फिर सरकार गिर गई। वर्ष 2020 में कोरोना आ गया, इसके बाद निकाय चुनाव शुरू हो गए। वर्ष 2023 में चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई। कोर्ट ने दिसम्बर 2023 में सरकार को चुनाव कराने के निर्देश दिए। इसके बाद फिर अलग-अलग कारणों से चुनाव टल गए।

शराब की दुकानों की शिफ्टिंग बनी समस्या, भोपाल में होने लगा विरोध

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में शराब की दुकानों को दूसरी जगह ले जाने का विरोध हो रहा है। सरकार 19 धार्मिक स्थलों से शराब की दुकानें बंद कर रही है। लेकिन भोपाल में दुकानों को शिफ्ट करने से लोग परेशान हैं। मालवीय नगर में एक नई दुकान खुलने वाली है, जिसका लोग विरोध कर रहे हैं। वे इसे कहीं और ले जाने की मांग कर रहे हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी दे रहे हैं।मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के 19 धार्मिक स्थलों से शराब की दुकानें हटाने जा रही है। दूसरी तरफ, भोपाल में शराब की दुकानों को शिफ्ट करने को लेकर विवाद हो रहा है। शहर में दो जगहों पर शराब की दुकानें खुलने वाली हैं। इससे आसपास के लोग परेशान हैं और विरोध कर रहे हैं। पिछले दो दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं।

काले झंडे लेकर प्रदर्शन

भोपाल में शराब की दुकानों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा रहा है। मालवीय नगर में एक शराब की दुकान खुलने वाली है। इसका लोग विरोध कर रहे हैं और यह मामला बढ़ता जा रहा है। शनिवार को कई महिलाएं हाथों में काले झंडे लेकर प्रदर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने काले झंडे लहराकर अपना विरोध जताया। लोगों का कहना है कि दुकान को कहीं और ले जाया जाए, नहीं तो वे बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) सांई राम कॉलोनी सेमरा और बावड़ियाकलां चौक के लोग भी पहले शराब की दुकानें खुलने का विरोध कर चुके हैं। अब मालवीय नगर में पत्रकार भवन के सामने चौथी दुकान का विरोध हो रहा है। लोगों का कहना है कि यहां 1 अप्रैल से नई दुकान खुलने की बात चल रही है।

नई शराब की दुकानों का विरोध

लोगों का कहना है कि वार्ड नंबर-34, मालवीय नगर में नई शराब की दुकान खुल रही है। इसके पास में विधायक रेस्ट हाउस और बिड़ला मंदिर है। यहां पर रिहायशी इलाका भी है। लोगों का कहना है कि अगर यहां शराब की दुकान खुलती है तो वे भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन भी करेंगे। नागरिकों ने कहा कि दुकान खुलने से उन्हें बहुत परेशानी होगी। इसलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे हर हाल में दुकान को यहां नहीं खुलने देंगे। अगर प्रशासन उनकी बात नहीं सुनता है तो वे आंदोलन करेंगे।

मध्यप्रदेश में बीजेपी अपनी फ्यूचर फोर्स को तैयार करने में जुटी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीजेपी अपनी फ्यूचर फोर्स को तैयार करने में जुट गई है। इसे लेकर युवा प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग भी दी जा रही है। इस दौरान यहां एक अलग नजारा देखने को मिला। सीएम मोहन यादव ने युवाओं से पूछा कि भारत कब आजाद हुआ। तो इस पर कई युवाओं ने जवाब दिया कि 2014 में! जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने तब देश आजाद हुआ। भाजपा के भोपाल कार्यालय में आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स बूट कैंप का आयोजन हुआ था। इस कैंप का मकसद युवाओं को राजनीति से जोड़ना है।दरअसल, पीएम मोदी का विजन देश के एक लाख युवाओं को राजनीति से जोड़ना है। इसलिए बीजेपी ह्यआई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्सह्ल बूट कैंप चला रही

है। भोपाल में शनिवार और रविवार को अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों में युवाओं को बताया जाएगा कि वे अपने काम के हुनर को देश और समाज के लिए कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्हें पार्टी की विचारधारा और काम करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।बीजेपी कार्यालय में हुए कार्यक्रम में सीएम डॉक्टर मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा भी मौजूद थे। उन्होंने युवाओं को संबोधित किया। साथ ही लीडरशिप क्लास में कई जरूरी विषयों पर जानकारी दी। इसी दौरान जब सीएम मोहन यादव ने युवाओं से बातचीत की और उनके लक्ष्यों के बारे में जाना। तभी आजादी वाले सवाल पर जवाब में कई लोगों ने 2014 उत्तर दिया। इस दौरान सीएम मोहन यादव पूर्व पीएम नेहरू पर बरसते नजर आए।

दस करोड़ के गबन मामले में फरार बैंक मैनेजर महाराष्ट्र में काट रहा था फरारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बीज प्रमाणीकरण संस्था में हुए 10 करोड़ रुपए के गबन मामले में फरार चल रहे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था, जिसे महाराष्ट्र के अकोला से पकड़ गया है। इस मामले में आठ आरोपियों की गिरफ्तारी पहले हो चुकी है।जानकारी के अनुसार इस मामले की शिकायत पिछले साल सितंबर 2024 में बीज प्रमाणीकरण संस्था भोपाल के प्रमुख सुखदेव प्रसाद अहिरवार ने कोतवाली थाने में की थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा इमामी गेट भोपाल में जमा मप्र राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था की एफडीआर की राशि 10 करोड़ रुपए का गबन किया गया है। इस मामले में बीडी नामदेव (मध्यप्रदेश बीज प्रमाणीकरण संस्था) एवं नोएल सिंह (शाखा प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया इमामीगेट भोपाल) के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मामले में संलिप्त आरोपी बृजेन्द्र दास नामदेव, दीपक पंथी, धनंजय गिरी, शैलेन्द्र प्रधान उर्फ आचार्य बाबा, राजेश शमा, पियूष शमा, वरूण कुमार चौधरी और किसलयराज चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। प्रकरण में फरार चल रहे सेंट्रल बैंक के तत्कालीन मैनेजर नोएल सिंह की तलाश में हरसंभव स्थान पर दबिश दी गई, लेकिन वह नहीं मिला था। आरोपी भोपाल के अलावा जबलपुर, छिंदवाड़ा, मुंबई आदि स्थानों पर तलाश चल रही थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि नोएल सिंह इन दिनों अकोला महाराष्ट्र में फरारी काट रहा है। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम ने अकोला पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। भोपाल में आरोपी ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी में रहता था और प्रकरण दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

सलमान की भगवा घड़ी को लेकर बवाल मौलाना ने बताया शरीयत के खिलाफ

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की घड़ी को लेकर विवादों शुरू हो गया है। सलमान ने राम मंदिर स्पेशल एडिशन वाली घड़ी पहनी थी। इस पर मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यह शरीयत के खिलाफ है। वहीं, भोपाल के इखढ विधायक रामेश्वर शर्मा ने सलमान खान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि राम सबके हैं और उन्हें नमन करने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। दरअसल, सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर के प्रमोशन में लगे हैं। हाल ही में वह एक पार्टी में नजर आए थे। उन्होंने जो घड़ी पहनी थी, उस पर राम मंदिर का स्पेशल एडिशन था। इसी घड़ी को लेकर विवाद शुरू हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सलमान खान ने जो घड़ी पहनी है, वह शरीयत के खिलाफ है। उन्होंने सलमान को ह्यगुनहगारह्ल भी करार दिया है।

गैर मुस्लिमों का प्रचार शरीयत के खिलाफ है

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि सलमान एक मशहूर मुसलमान हैं। लाखों की तादाद में उनके चाहने वाले हैं। सलमान ने राम मंदिर के प्रचार के लिए बनाई गई घड़ी पहनी। किसी भी मुसलमान को शरीयत इस बात की इजाजत नहीं देती कि वो गैर-मुस्लिमों के मंदिरों का प्रचार करें। अगर कोई मुसलमान ऐसा करता है तो वह शरीयत का मुजरिम है। ये नाजायज और हराम है, बाज आना चाहिए। मैं सलमान खान को नसीहत देना चाहता हूं कि वो अपने हाथों से राम मंदिर की घड़ी उतार दें और जो कुछ भी शरीयत के खिलाफ काम किया है उससे तौबा कर लें। क्योंकि उनको खुदा के यहां मुंह दिखाना है। अपना हिसाब-किताब करना है। वो एक अच्छे मुसलमान होने का सबूत पेश करें।

रामेश्वर शर्मा ने सलमान का किया समर्थन

वहीं, भोपाल के विधायक रामेश्वर शर्मा ने सलमान खान का समर्थन किया उन्होंने कहा, राम हर हिंदुस्तानी के दिल में बसे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर और भगवान राम की छवि भारत के लोगों के दिलों में बसी है। इसे नमन करने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। राम से अलग न तो हिंदुस्तान को किया जा सकता है, न ही हिंदुस्तानियों को।

हिंदुओं ने सलमान को सिर पर बैठाया है

शर्मा ने यह भी कहा कि सलमान खान जैसे मुस्लिम सेलिब्रिटीज ने देश की शान बढ़ाई है, जबकि कुछ मौलवी सिर्फ विवाद फैलाते हैं। उन्होंने कहा आज एक मौलवी चला जाए तो चार मुसलमान कंधा नहीं देते, लेकिन सलमान के पीछे लाखों लोग खड़े हो जाते हैं। हिंदुओं ने सलमान को सिर पर बैठाया है।सलमान खान को यह स्पेशल एडिशन घड़ी उनकी मां ने गिफ्ट की थी। बताया जा रहा है कि इस घड़ी की कीमत 34 लाख रुपए है और दुनिया में इसकी सिर्फ 49 यूनिट्स ही बनी हैं।

प्रेमिका की ब्लैकलेकिंग से परेशान होकर युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से हैरान करने वाली वारदात सामने आई है। यहां पर ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर अपने जीवन का अंत कर लिया। वह अपनी प्रेमिका की धमकियों से बहुत ज्यादा परेशान था। प्रेमिका कई बार उसे अपने हाथ की नस काटने की धमकी देती थी। सुसाइड करने से पहले मृतक का अपनी प्रेमिका से से विवाद हुआ था। मृतक के मोबाइल फोन में विवाद की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को मिली है। बताया जा रहा है कि प्रेमिका की दोस्त भी इस मामले में शामिल है। दोस्त ने मृतक को बताया था कि प्रेमिका ने हाथ की नस काट ली है और गुस्से में है। वहीं, मृतक के परिजनों का कहना है कि हम शादी के लिए तैयार थे। लेकिन इस घटना ने हमें तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार युवक ने जहर खा लिया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

3 अप्रैल को आएगा भोपाल नगर निगम का बजट

पिछले बजट से कई योजनाओं पर नहीं हुआ काम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल नगर निगम 3 अप्रैल को वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेगा, लेकिन पिछले बजट का एक बड़ा हिस्सा अभी तक खर्च नहीं हुआ है। बीएमसी के नेता प्रतिपक्ष सबिस्ता जकी ने आरोप लगाया कि 3,353 करोड़ रुपये के बजट में से करीब 1,300-1,500 करोड़ रुपये अभी तक खर्च नहीं हुए हैं। बजट में करीब 20 विशिष्ट प्रावधानों के बावजूद, मुट्ठी भर परियोजनाएं ही

पूरी हो पाई हैं। उनका कहना है कि करीब 40 फीसदी बजट अभी तक खर्च नहीं किया गया है। कई योजनाए कागजों पर हैं। केवल इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण शुरू करने के लिए 10 करोड़ रुपये के बजट को पूरा किया गया है।

इन योजनाओं पर नहीं हुआ कोई काम

-10 करोड़ रुपये से नए हेरिटेज प्रवेश द्वारों का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ।

- ड्रेनेज इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सबसे ज्यादा 35 करोड़ रुपये का प्रावधान अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

-10 करोड़ रुपये की राशि से राजधानी के सार्वजनिक पार्कों के सौंदर्यीकरण जैसे कुछ प्रोजेक्ट अभी तक आंशिक रूप से ही पूरे हुए हैं।

-शहर में 5 करोड़ रुपये से नए हॉकर्स कॉर्नर का निर्माण शुरू नहीं हो पाया।

-5 करोड़ रुपये से शहर के विभिन्न स्थानों पर महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित करने कांम शुरू नहीं हुआ।

ज्यादातर जमीनी काम शुरू नहीं

नगर निगम भोपाल में नेता प्रतिपक्ष सबिस्ता जकी ने बताया कि बजट प्रावधानों के लिए ज्यादातर जमीनी काम शुरू भी नहीं हुए हैं। उन्होने कहा है कि बजट की 40ह्न से ज्यादा राशि का उपयोग ही नहीं हुआ है। अब कहा जा रहा है कि इस विफलता के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट बढ़ाया जाएगा।

पांच बार टेंडर जारी, नहीं शुरू हुआ काम

सबिस्ता जकी ने बताया कि निगम के कई बुनियादी कामों के लिए 5 बार टेंडर जारी किए जाते हैं, लेकिन काम शुरू करना तो दूर, वर्क ऑर्डर भी जारी नहीं किए गए। जबकि भोपाल महापौर ने इस मामले में कहा है कि निगम की बजट परिषद की बैठक में इन सभी मामलों पर चर्चा की जाएगी और परिषद की बैठक में ही सभी जवाब देंगे।

सम्पादकीय

लघु एवं मझोले उद्यमों को अनुकूल माहौल देने की जरूरत

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। सरकार ने जो आंकड़े दिए हैं उनके अनुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई के सकल मूल्य वर्द्धन (जीवीए) की हिस्सेदारी वर्ष 2022-23 में बढ़कर 30.1 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2020-21 में 27.3 प्रतिशत दर्ज हुई थी। एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात भी बढ़ा है। इस क्षेत्र से 2020-21 में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का निर्यात हुआ था, जो 2024-25 में बढ़ कर 12.39 लाख करोड़ रुपये हो गया। आर्थिक वृद्धि में एमएसएमई के योगदान को ध्यान में रखते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए अनुकूल एवं उपयुक्त माहौल देना चाहिए। उन्हें अनुकूल नीतियों के जरिये समर्थन भी दिया जाना चाहिए।

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। सरकार ने जो आंकड़े दिए हैं उनके अनुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई के सकल मूल्य वर्द्धन (जीवीए) की हिस्सेदारी वर्ष 2022-23 में बढ़कर 30.1 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2020-21 में 27.3 प्रतिशत दर्ज हुई थी। एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात भी बढ़ा है। इस क्षेत्र से 2020-21 में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का निर्यात हुआ था, जो 2024-25 में बढ़ कर 12.39 लाख करोड़ रुपये हो गया। आर्थिक वृद्धि में एमएसएमई के योगदान को ध्यान में रखते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए अनुकूल एवं उपयुक्त माहौल देना चाहिए। उन्हें अनुकूल नीतियों के जरिये समर्थन भी दिया जाना चाहिए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने नीति फ्रंटियर टेक हब और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के साथ मिलकर बुधवार को एक प्लेटफॉर्म की शुरूआत की। इस प्लेटफॉर्म को डिजिटल एक्सीलेंस फॉर ग्रोथ ऐंड एंटरप्राइजेज या ह्यडीएक्स-एजह्व का नाम दिया गया है। यह प्लेटफॉर्म एमएसएमई को बदलते वक्त में प्रतिस्पर्द्धी बने रहने के लिए आवश्यक तकनीक एवं ज्ञान उपलब्ध कराएगा। सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर एक औद्योगिक संगठन द्वारा की गई ऐसी पहल का अवश्य स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि वे लघु एवं मझोली कंपनियों को नई तकनीक के साथ आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। किंतु, लघु एवं मझोली कंपनियों के समक्ष तकनीक तक पहुंच हासिल करने की ही एकमात्र चुनौती नहीं है। नीति आयोग के मुख्य कार्याधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने एक्स-एज की शुरुआत के अवसर पर कहा कि भारत में आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए पर्याप्त मझोली कंपनियां मौजूद नहीं हैं। सच्चाई तो है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। भारत में छोटी आकार की कंपनियां बड़ी संख्या में मौजूद रही हैं किंतु उनमें अधिकांश अपना आकार या कारोबार बढ़ाने में विफल रहती हैं। वास्तव में, भारत सरकार के पूर्व आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम एवं अन्य लोगों द्वारा हाल में किए गए एक शोध में निकल कर आया है कि उनमें कुछ कंपनियां बड़ी मानी जा रही थीं किंतु वास्तव में असलियत कुछ और है और वे कई संयंत्रों से संचालन कर रही थीं। इसका परिणाम यह हुआ है कि वे अपने आकार का फायदा उठाने में सफल नहीं रही हैं। विभिन्न छोटे-छोटे संयंत्रों से परिचालन करने के कई कारण रहे हैं। उनमें एक यह है कि वे कानूनी एवं राजनीतिक जोखिम कम करने के इरादे से ऐसा करती हैं। कारोबार बढ़ने के साथ ही उद्यमियों के लिए नियमों का अनुपालन करना कठिन हो जाता है। इससे श्रम का संविदाकरण बढ़ गया है। नियामकीय बाधाओं एवं कमियों के कारण भारतीय कंपनियों को अपना आकार बढ़ाने में दिक्कत महसूस हुई है जिससे विनिर्माण जीवीए कम रहा है। इसका एक परिणाम यह भी सामने आया है कि भारतीय श्रम बल का लगभग आधा हिस्सा कृषि क्षेत्र में ही लगा हुआ है और श्रम की पर्याप्त उपलब्धता का देश को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाया है। यह तो मालूम ही है कि देश में मझोली आकार की कंपनियां अधिक नहीं है इसलिए समाधान पर भी चर्चा होती रही है। श्रम कानून इसी से जुड़ा हुआ है और नए श्रम कानून पारित भी हुए हैं, किंतु संबंधित हितधारकों के बीच आपसी सहमति नहीं होने के कारण वे लागू नहीं हो पाए हैं। विभिन्न स्तरों पर कानूनी एवं संचालन से जुड़ी कठिनाइयों को भी दूर करने की आवश्यकता है। संसद की लोक लेखा समिति ने इस सप्ताह अपनी रिपोर्ट में एमएसएमई एवं निर्यातकों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत आ रही कठिनाइयों का उल्लेख किया है। इन मामलों का समाधान पूरी तत्परता के साथ किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में डीरेगुलेशन आयोग का जिक्र किया था। ऐसा कोई आयोग अगर अस्तित्व में आता है तो इससे सरकार एवं नियामकों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्त्वहीन हो चुके एवं अनावश्यक नियम-कायदों को समाप्त करने में काफी सहायता मिल सकती है। दुनिया में बढ़ती संरक्षणवादी मानसिकता को देखते हुए वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां निकट भविष्य में अनुकूल नहीं रह सकती हैं। इसे देखते हुए वर्तमान परिस्थितियों में सरकार की नीति का लक्ष्य भारतीय कारोबार की राह से बाधाएं दूर करने और उन्हें आगे बढ़ने एवं प्रतिस्पर्द्धी बनाने पर केंद्रित होना चाहिए।

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत मिशन के तहत देशभर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे अनुकरणीय बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत मिशन के तहत देशभर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे अनुकरणीय बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है।

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियां आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है।

इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है।

आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूवार्नुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियां भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से बहुत अधिक गर्मी, बाढ़, जंगल में आग और चक्रवात जैसी घटनाओं में आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है और इनका सीधा असर बच्चों पर पड़ेगा। निश्चित ही मोदी सरकार इन चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। एक अच्छा लीडर किसी चीज का ब्लेम थोड़ा ज्यादा लेता है और क्रेडिट लेने के मामले में पीछे रहता है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। इतिहास अक्सर किसी आदमी से ऐसा काम करवा देता है, जिसकी उम्मीद नहीं होती। और जब राष्ट्र की आवश्यकता का प्रतीक कोई आदमी बनता है तब भले ही उसकी प्रशंसा क्यों न हो, उसका कद स्वत- बढ़ जाता है। मोदी ने इस युग को वह दिया जिसकी उसे जरूरत है, वह नहीं जिसकी कि वह प्रशंसा करे।

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिये हैं जिनमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने साल का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा! शील का वृक्ष भी देखें- जो जितना ऊंचा है उससे ज्यादा गहरा है। आखिर इस गहराई को मापने वाले संयुक्त राष्ट्र का आभार। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं एवं त्रासदियों से मुक्ति दिलाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। मोदी के मजबूत इरादों एवं मनोबल को सलाम।

क्या ट्रंप खत्म कर देंगे अमेरिकी शिक्षा विभाग ? मची हलचल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक विवादास्पद बयान दिया है, वे अमेरिकी शिक्षा विभाग को पूरी तरह खत्म कर देंगे। ट्रंप के इस बयान के बाद शिक्षा नीति से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों और राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई है।

ट्रंप का तर्क- 'राज्यों को मिले शिक्षा की पूरी कमान'

ट्रंप का मानना है कि शिक्षा नीति तय करने का अधिकार संघीय सरकार के बजाय राज्यों के पास होना चाहिए। उनका आरोप है कि अमेरिकी शिक्षा विभाग न केवल अनावश्यक रूप से बड़ा और खर्चीला है, बल्कि यह वामपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का एक जरिया बन गया है। ट्रंप ने कहा, हम बच्चों को कट्टर वामपंथी विचारधारा से बचाएंगे और शिक्षा प्रणाली को राज्यों के नियंत्रण में देंगे।

ट्रंप की योजना- शिक्षा विभाग को खत्म करने से क्या बदलेगा?

यदि ट्रंप की योजना अमल में आती है, तो इसका असर व्यापक होगा-

1. शिक्षा नीतियों का नियंत्रण राज्यों के पास जाएगा, जिससे संघीय हस्तक्षेप खत्म हो जाएगा।
2. फंडिंग और ग्रांट्स की व्यवस्था बदल जाएगी, जिससे कई शिक्षा कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं।
3. राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा नीतियाँ समाप्त हो सकती हैं, जिससे स्कूलों और पाठ्यक्रमों में विविधता बढ़ सकती है।
4. शिक्षकों की भर्ती, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों पर राज्यों का पूरा नियंत्रण होगा।

विरोध और समर्थन- शिक्षा नीति पर बँटी राय

समर्थकों का तर्क

रूढ़िवादी गुटों का कहना है कि शिक्षा पर राज्यों का नियंत्रण अधिक प्रभावी होगा और इससे संघीय नौकरशाही पर खर्च कम होगा।

ट्रंप समर्थक माता-पिता मानते हैं कि इससे उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक नियंत्रण मिलेगा, खासकर उन विषयों पर जिन्हें वे विवादास्पद मानते हैं, जैसे कि लैंगिक पहचान और नस्लीय अध्ययन।

विरोधियों की चिंता

शिक्षाविदों और शिक्षकों का कहना है कि शिक्षा विभाग को खत्म करना छात्रों की ग्रांट्स, वित्तीय सहायता और राष्ट्रीय मानकों को खतरे में डाल सकता है।

डेमोक्रेट और उदारवादी संगठनों का आरोप है कि ट्रंप यह कदम शिक्षा के निजीकरण और सार्वजनिक स्कूलों को कमजोर करने के लिए उठा रहे हैं।

नागरिक अधिकार समूहों को आशंका है कि इससे वंचित वर्गों के छात्रों की शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

क्या ट्रंप इसे वास्तव में लागू कर सकते हैं?

ट्रंप 2016 के चुनाव प्रचार के दौरान भी शिक्षा विभाग को खत्म करने की बात कर चुके हैं, लेकिन अपने पिछले राष्ट्रपति कार्यकाल में वे इसे अमल में नहीं ला पाए। अमेरिकी संविधान के अनुसार, शिक्षा नीति तय करने का अधिकार काफी हद तक राज्यों के पास पहले से ही है, लेकिन शिक्षा विभाग संघीय स्तर पर समन्वय और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ऐसे में इसे पूरी तरह खत्म करना आसान नहीं होगा।

अब जबकि ट्रंप जीत चुके हैं और इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो भी उन्हें न केवल कांग्रेस में समर्थन जुटाना होगा, बल्कि कानूनी और प्रशासनिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा।

निष्कर्ष

ट्रंप की इस घोषणा ने अमेरिकी शिक्षा प्रणाली को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। उनके समर्थकों को यह विचार आकर्षक लग सकता है, लेकिन शिक्षाविदों और नीतिगत विशेषज्ञों को इसमें बड़े जोखिम दिख रहे हैं। यह मुद्दा कितना प्रभावी रहेगा और क्या ट्रंप इसे हकीकत में बदल पाएंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

IndiGo पर 944 करोड़ की आयकर पेनल्टी क्या भारतीय एविएशन सेक्टर संकट में है?

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन IndiGo को आयकर विभाग ने 944 करोड़ रुपये की भारी-भरकम पेनल्टी लगाई है। इस आदेश के बाद एविएशन सेक्टर में हलचल तेज हो गई है। कंपनी ने इस पेनल्टी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे त्रुटिपूर्ण और निराधार करार दिया है। IndiGo का कहना है कि यह आदेश गलत आकलन के आधार पर जारी किया गया है और वह इसे कानूनी रूप से चुनौती देगी।

IndiGo का रुख- 'गलतफहमी पर आधारित आदेश'

कंपनी का कहना है कि उसने सभी वित्तीय नियमों का पालन किया है और इस पेनल्टी के पीछे की वजह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती हो सकती है। IndiGo ने स्पष्ट किया कि यह आदेश कर विभाग की एक गलतफहमी के चलते जारी हुआ है और कानूनी प्रक्रिया के तहत इसे चुनौती दी जाएगी।

आयकर विभाग की कार्रवाई और उसके प्रभाव

आयकर विभाग का आरोप है कि कंपनी ने कुछ वित्तीय लेन-देन और टैक्स देनदारियों को सही तरीके से रिपोर्ट नहीं किया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। हालांकि, कंपनी ने इन आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है। यदि यह पेनल्टी लागू होती है, तो इसका असर IndiGo की वित्तीय स्थिति और पूरे एविएशन सेक्टर पर पड़ सकता है।

क्या अन्य एयरलाइंस भी निशाने पर हैं?

फिलहाल, IndiGo के अलावा किसी अन्य एयरलाइन पर इतनी बड़ी टैक्स पेनल्टी की खबर नहीं आई है। लेकिन भारतीय एविएशन सेक्टर पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। जेट एयरवेज पहले ही दिवालिया हो चुकी है, ञश First परिचालन बंद करने के कगार पर है, और SpiceJet वित्तीय परेशानियों से गुजर रही है।और एयर इंडिया के हाल बेहाल हैं। ऐसे में, यदि अन्य एयरलाइंस पर भी इसी तरह की सख्ती होती है, तो पूरी इंडस्ट्री मुश्किल में आ सकती है।

एविएशन सेक्टर पर प्रभाव- क्या डगमगा सकता है उद्योग?

भारत में IndiGo 63% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ी एयरलाइन है। ऐसे में, यदि इस पर इतना बड़ा वित्तीय दबाव आता है, तो पूरे सेक्टर में अस्थिरता बढ़ सकती है।

वित्तीय असर- 944 करोड़ की पेनल्टी IndiGo के नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) को प्रभावित कर सकती है, जिससे इसका विस्तार और परिचालन लागत प्रभावित हो सकते हैं।

शेयर बाजार पर प्रभाव- निवेशकों के लिए यह चिंता का विषय बन सकता है, जिससे कंपनी के शेयरों में अस्थिरता आ सकती है।

उद्योग की स्थिरता- पहले से ही संघर्ष कर रही एयरलाइंस को इससे झटका लग सकता है, क्योंकि अगर सबसे बड़ी एयरलाइन संकट में आती है, तो इसका असर पूरे एविएशन सेक्टर पर पड़ेगा।

IndiGo के लिए आगे की राह

कंपनी का कहना है कि वह इस फैसले को अदालत में चुनौती देगी और उम्मीद है कि उसे राहत मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि IndiGo कानूनी लड़ाई में जीत हासिल करती है, तो यह उसके लिए सकारात्मक साबित होगा।

क्या भारतीय एविएशन सेक्टर संकट में है?

पहले ही बढ़ती ईंधन कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और प्रतिस्पर्धा के दबाव ने एविएशन सेक्टर की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। Go First का संचालन ठप है, SpiceJet लगातार घाटे में चल रही है,

और Air India पुनर्गठन प्रक्रिया से गुजर रही है। अगर

IndiGo को इस पेनल्टी का भुगतान करना पड़ता है, तो यह भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए एक और झटका साबित हो सकता है।

निष्कर्ष

IndiGo पर आयकर विभाग की यह बड़ी कार्रवाई भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। पहले से ही संघर्ष कर रही इंडस्ट्री में यह नया संकट निवेशकों और नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बन सकता है। अब सबकी निगाहें इस पर हैं कि क्या IndiGo इस कानूनी लड़ाई में सफल होती है या इसे भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ेगा।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

कटनी में ईद और चैत नवरात्रि को देखते हुए पुलिस ने बड़ाई सुरक्षा

कोतवाली पुलिस ने पैदल गश्त लगा कर किया निरीक्षण

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, ईद एवं चैत नवरात्रि पर्व को देखते हुए कोतवाली पुलिस द्वारा मुख्य क्षेत्रों में पैदल गश्त एवं सुरक्षा निरीक्षण किया। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा अपने पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान चौकी प्रभारी खिरहनी एवं चौकी प्रभारी बस स्टैंड अपने स्टाफ के साथ मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने में सहयोग किया।

पुलिस टीम द्वारा सुभाष चौक, स्टेशन रोड, खिरहनी चौकी क्षेत्र, घंटा घर, सराफा, सुक्खन चौक, शेर चौक, आजाद चौक एवं मिशन चौक सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में गहन निरीक्षण किया गया। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर यात्रियों को यातायात नियमों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं सत्यापन किया गया। व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं बाजारों में दुकानदारों से चर्चा कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि ईद एवं नवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए, बाजारों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी असामाजिक गतिविधि को रोका जा सके और शहर में शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना रहे। इसके अलावा, गश्त के दौरान पुलिस द्वारा स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं यातायात व्यवस्था से जुड़े कर्मियों से संवाद कर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई और अनावश्यक रूप से घूम रहे व्यक्तियों को समझाइश दी गई। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी कर रहा है।उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे कोई संदिग्ध गतिविधि देखते हैं, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। त्योहारों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने के लिए पुलिस का सहयोग करें एवं सुरक्षा संबंधी किसी भी समस्या के लिए अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

विक्रम संवत नववर्ष का प्रथम दिन सृष्टि की रचना का दिवस-प्रतिमा बागरी

सतना जिले में सूर्य उपासना के कार्यक्रम व्यंकटेश लोक में संपन्न

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार विक्रम संवत् 2082 का शुभारंभ ईसवी कैलेण्डर 30 मार्च 2025 को होने के अवसर पर सूर्य उपासना आयोजन एवं नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन रविवार को सतना जिले में व्यंकटेश मंदिर परिसर (व्यंकटेश लोक) सतना में किया गया। राज्य शासन द्वारा सतना जिले के लिए नामांकित नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ब्रह्म ध्वज का पूजन कर मंदिर कलश पर स्थापित किया गया। सतना में रंग प्रवर्तन सांस्कृतिक समिति के कलाकारों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य और विक्रम संवत की नववर्ष शुरुआत के संबंध में नाट्य मंचन कर जानकारी दी गई। इस अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा प्रकाशित पुस्तिका भारत का नव वर्ष विक्रम संवत का वितरण भी किया गया। इस मौके पर सांसद गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना सहित जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि हिन्दु सनातन धर्म में चैत्र प्रतिपदा, गुडी पडवा से नववर्ष की शुरूआत होती है। इस समय किसानों के खेत से फसल के रूप में अन्न घरों में आता है। मां दुर्गा की उपासना का पर्व नवरात्रि के साथ ही यह दिवस सृष्टि की रचना का प्रारंभिक दिवस है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग जन आज भी चैत्र नवरात्रि से नये वर्ष का प्रथम दिवस मानते हैं। वैवाहिक कार्यक्रमों, तीज त्यौहार, वैदिक कर्मों में यही संवत का कैलेण्डर पंचांग की तिथियों में उपयोग किया जाता है। राज्यमंत्री ने नववर्ष, विक्रमोत्सव, गुडी पडवा, चैती चांद और नवरात्रि की शुभकामनायें देते हुए कहा कि सभी त्यौहार मिल जुलकर हर्ष और उल्लास के साथ मनाये। राज्यमंत्री ने विक्रमोत्सव 2025 में सम्राट विक्रमादित्य का नाटय मंचन करने वाले रंग प्रवर्तन सांस्कृतिक समिति रूगवां के निदेशक प्रभाकर द्विवेदी विक्रमादित्य की भूमिका निभाने वाले हर्षवर्धन सिंह परिहार, साथी कलाकार अमितेश सेन, शिवम चौधरी, अनिषेक चौधरी, मानसी वर्मा, शिखा पाण्डेय, प्रेम वर्मा, अभिजीत चौधरी, पारदेश्वर शरण त्रिपाठी, श्रुति जैन, आकाश पटेल, रागनी वर्मा, अमन मिश्रा, पुनीत सिंह परिहार और आकांक्षा रैकवार को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। सांसद गणेश सिंह ने विक्रम संवत के शुभारंभ दिवस पर जिले के वासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन राष्ट्र के लिए अद्वितीय दिवस है। उज्जयिनी के राजा सम्राट विक्रमादित्य ने आज के दिन से नये विक्रम संवत की शुरूआत की थी। सनातन हिन्दु धर्म की सभी वैदिक गतिविधियां इसी विक्रम संवत पर आधारित होती है। बीच में अंग्रेजों का शासन देश पर हुआ लोगों ने शिक्षा पद्धति के साथ अंग्रेजी कैलेण्डर भी अपना लिया। सांसद ने कहा कि अपना देश अब बदल रहा है। हमें अब अपनी पुरातन वैभवशाली सनातन संस्कृति और विश्व बंधुत्व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना की ओर लौटना होगा। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज पूरे प्रदेश में सभी जिलों में इसकी भव्य शुरूआत हुई है। पहली बार नववर्ष का कार्यक्रम सरकारी स्तर पर मनाने के लिए सांसद ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

नगर निगम सतना के महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि आज के दिन ब्रम्हा जी ने सृष्टि की रचना की। आज के दिन भगवान झूलेलाल का जन्म नवरात्रि की शुरूआत के दिवस पर विक्रम संवत के नववर्ष को मनाने का निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य के नाटय के नाटय मंचन और नववर्ष की पुस्तिका से विक्रम संवत की शुरूआत और कालखण्ड की गणना कैसे शुरू हुई इसकी जानकारी मिली है।

मौलिक और परंपरागत अनाज है श्रीअन्न

भरहुत होटल में आयोजित हुई श्री अन्न उत्पादों की प्रदर्शनी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, कृषि विभाग द्वारा विगत दिनों को मोटे अनाज के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने और श्री अन्न उत्पादों के ब्रांडिंग के लिए शनिवार को शाम को मिलेट्स ब्रांडिंग कम एग्जीबिशन गैलरी का आयोजन किया गया। सतना सांसद गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मिलेट प्रदर्शनी का उद्घाटन कर श्री अन्न उत्पादों और उनसे बने व्यंजनों का अवलोकन किया। इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि श्री अन्न यानि मोटे अनाज हमारे देश का मौलिक और परंपरागत अनाज है। इससे बने व्यंजन तथा भोजन की पौष्टिकता और स्वाद लाजबाब होने के साथ ही व्यक्ति को स्वस्थ्य रखने में भी सहायक होते हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में वर्ष 2023 को श्रीअन्न (मिलेट) वर्ष के रूप में मनाया गया। स्वास्थ्य भारत और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए किसानों को मिलेट्स की ओर जाना होगा। गत वर्षों की तुलना में सतना और मैहर जिले में मोटे अनाजों की खेती निरंतर बढ रही है। विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि मोटे अनाज हमारे किसानों के लिए पूर्व के वर्षों में प्राथमिकता की फसल रहा है। लेकिन बाद में बढती हुई देश की आबादी और अन्य फसलों की अपेक्षा कम उत्पादन होने से धीरे-धीरे मिलेटस का अभाव होता गया। विधायक ने कहा कि खेती में उत्पादन की लागत बाजार और मूल्य तीन चीजें प्रमुख होती है। उत्पादन अच्छा हो और फसल की कीमत समानुपातिक रूप से अच्छी मिले तो किसान इसकी ओर प्रेरित होगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि राज्य मिलेटस प्रोत्साहन योजना के तहत मोटे अनाजों के उत्पादन को बढावा देने और किसानों को इस ओर प्रेरित करने मोटे अनाज (मिलेटस) की ब्रांडिग की जा रही है। प्रदर्शनी में ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा और रागी के बनने वाले उत्पाद और उनसे बनने वाले स्वादिष्ट पोषण युक्त व्यंजन रखे गये हैं। प्रदर्शनी में आये हुए सहभागियों ने स्व सहायता समूह एवं एफपीओ तथा कृषि मित्रों द्वारा मोटे अनाज से सतना जिले में निर्मित उत्पादों का अवलोकन और क्रय तथा मिलेटस से बने व्यंजनों, कोभरी, लाटा, ज्वार, बाजरा और मक्के की रोटी, कटलेट (बडा), कोदो-कुटकी का भात, चौसेला, भरता और रांगी की स्वादिष्ट खीर का रसास्वादन किया।

एमपी ... में महिला जनप्रतिनिधियों का बुरा हाल

पति संभाल रहे कुर्सी, शासन के नियमों कि उड़ा रहे धज्जिया...

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
मैहर, मध्य प्रदेश में सरकार एक तरफ जहाँ महिलाओ को सशक्त बनाने उन्हें बड़े पदों पर विराजमान तो कर देती है लेकिन वो महिलाए कितना सशक्त बन पाती है इस पर शवालिया निशान लगता जा रहा है क्योंकि महिला जनप्रतिनिधि के जगह पर उनके पतियों को काम करते हुए देखा जा सकता है, मध्य प्रदेश में कई जिले ऐसे है जहाँ महिला जनप्रतिनिधि कि जगह उनके पति देव सरकार चला रहे है, बात करते है मैहर नगर पालिका की, जहाँ गीता सोनी नगर पालिका कि अध्यक्ष हैं, लेकिन सिर्फ नाम के लिए , बताया जा रहा है कि नगर पालिका की अध्यक्षी तो उनके पति संतोष सोनी ही चलाते हैं, ताजी तस्वीर मैहर नगर पालिका में एक मीटिंग की है, जिसमें महिला नगर परिषद अध्यक्ष गीता सोनी जो कुर्सी में सोते हुए नजर आ रही है वही उनके पति संतोष सोनी कुर्सी में बैठे अधिकारी और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए स्पष्ट नजर आ रहे है, नगर पालिका कार्यालय में अध्यक्ष पति बैठकर न केवल दफ्तर का कामकाज करते हैं, बल्कि अधिकारियों को निर्देश भी देते है, और अधिकारी भी उनके निर्देशो का बाकायदा पालन भी करते है, अब इसे अंधेर नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे, जबकि सरकार ने स्पष्ट आदेश जारी किया है कि महिला जनप्रतिनिधि ही कार्य निर्वहन करेंगी उनकी जगह पर पति काम नहीं करेंगे, लेकिन एमपी में सरकार के आदेश नियम बेअसर दिखाई देते नजर आ रहे है।

आखिर क्यों इंसान के मौत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है क्लिनिक पर नहीं लग पा रहे हैं रॉक

सुशिल सोनी । सिटी चीफ कोतमा, हाल ही में कुछ अखबारों के माध्यम से यह जानकारी मिली कोतमा में एक संचालित क्लीनिक में एक व्यक्ति दवा करवाने आता है और वह डॉक्टर उसे व्यक्ति की दावा करता है जबकि डॉक्टर के पास ना कोई डिग्री ना कोई तजुर्बा है ऐसे में आखिर मरीज के साथ क्यों खिलवाड़ किया जा रहा है जिन मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना चाहिए ऐसा क्या हो जाता है कि वह मरीज के परिजन प्राइवेट क्लीनिक में क्यों आखिर जाना चाहते हैं क्या हमारे स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों अनुभव इतना नहीं है कि लोगों की जान बचा ले लगता है इसीलिए लोग प्राइवेट क्लीनिक जाना पसंद करते हैं जिसके कारण लोगों की जान जाती है इतना ही नहीं ऐसे भी और डॉक्टर है जो अपना काम अच्छी तरह से करना चाहते हैं स्वास्थ्य विभाग में पर उन डॉक्टरों को कम करने नहीं दिया जा रहा है क्योंकि हमारे जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आरके वर्मा झोलाछाप डॉक्टरों को जो बैठ के रखे हैं इतना ही नहीं हमने कई बार इनको फोन करके जानकारी दी गई है कोई बड़ी घटना ना हो जाए सर इन पर आप करवाई कीजिए पर श्रीमान जी के पास इतना समय ही नहीं है यह डॉक्टरों की कमी के कारण या फिर किसी ने इन पर वरदान देकर रखा है प्राइवेट क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इनको बढ़ावा देते हैं क्योंकि हाल ही में दो घटनाएं हो चुकी हैं कोतमा विधानसभा के अंदर इतना होने के बाद भी शासन और प्रशासन के अभी भी समझ में नहीं आ रहा है ऐसी कितनी बार घुट घुट के जान जाएगी क्या हमारे यहां डॉक्टरों की कमी है या स्टाफ की कमी है हमें तो यह भी मालूम है अनूपपुर जिले में कुछ ऐसे डॉक्टर हैं जो अपना काम करते हैं और कुछ को काम नहीं करने देना चाहते हैं क्योंकि उनकी प्राइवेट क्लीनिक संचालित है फिर सरकारी अस्पताल की तो कोई जरूरत ही नहीं है जब प्राइवेट क्लीनिक है तू इनका कहना आज तो कुछ हो नहीं पाएगा आज संडे है क्योंकि मैं अभी अमरकंटक में हूं जिलाधिकारी डॉक्टर आरके वर्मा.

विक्रम संवत् 2082 के स्वागत में गढ़वाल समाज ने चलाया वैनगंगा तट पर स्वच्छता अभियान

पोटियापाट गूंज उठा हर-हर महादेव और जल बचाओ, जीवन बचाओ के नारों से

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत् 2082 के पावन आरंभ पर गढ़वाल समाज लालबर्रा ब्लॉक द्वारा एक प्रेरणादायी स्वच्छता अभियान का आयोजन पुण्यसलिला वैनगंगा नदी के तट पोटियापाट घाट पर किया गया। यह पावन स्थल लालबर्रा से लगभग 7-8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रात: 8 बजे प्रारंभ हुए इस अभियान में समाज के सभी वर्गों बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। घाट पर फैले झिल्ली, प्लास्टिक पन्नियाँ, बोरियाँ, लकड़ियाँ, पैरा, कंडे, चाय के कप, भोजन की थालियाँ आदि को श्रमदान द्वारा इकट्ठा कर उचित रूप से नष्ट किया गया। इसके उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने वैनगंगा में पवित्र स्नान कर पोटियापाट बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना की। यह पूजन पं. राजेन्द्र दुबेजी महाराज पाथरसाही वाले द्वारा संपन्न करवाया गया। पूजन के पश्चात पं. राजेन्द्र दुबे जी महाराज ने कहा कि विक्रम संवत् का शुभारंभ स्वच्छता और सेवा जैसे पुण्य कार्यों से हो, यह समाज की जागरूकता और श्रद्धा का प्रतीक है। पवित्र वैनगंगा का तट सिर्फ स्नान का स्थल नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और समाज सेवा का केंद्र भी बन रहा है। मैं गढ़वाल समाज को इस प्रेरक कार्य के लिए साधुवाद देता हूं और बाबा पोटियापाट से सभी के कल्याण की कामना करता हूं। इस अवसर पर जनसमूह ने एक स्वर में गूंजते हुए नारे लगाए जल बचाओ, जीवन बचाओ, मोक्षदायिनी गंगा मैया की जय, पोटियापाट की जय, भारत माता की जय, हर-हर महादेव, जलगंगा अभियान अमर रहे।

यह आयोजन नदियों की स्वच्छता को केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत करता है। नदियों के पावन घाटों की स्वच्छता केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आस्था की गरिमा और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का सजीव संकल्प है। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जो उपस्थित रहे उनमें श्रीमती मीना कुरुमजी अध्यक्ष, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी,बसंतराव ढबाले सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनी, पं. राजेन्द्र दुबेजी महाराज, भूरिया सिलेकर, ईश्वरी गोयल, डी.पी. सिलेकर, अरुण गोयल, पिंटू नागेश्वर, प्रदीप सूर्यवंशी, शीतल हरिद्वाज, संतोष नागेश्वर, आकाश नागेश्वर, कपिल हरिद्वाज, लिखीराम हरिन्द्रवार, गणेश नागेश्वर, विवान नागेश्वर, छवि नागेश्वर, नेतलाल कुरुमजी, महेन्द्र धानेश्वर, प्रफुल्ल वराड़े, नूरांश धानेश्वर, श्रीमती हेमलता धानेश्वर, श्रीमती गीता हरिद्वाज, श्रीमती सुनीता भारद्वाज, प्रवीण धानेश्वर, धनेन्द्र धानेश्वर, किशोर गोयल, अभिषेक शिववंशी, तथा भवन्या धानेश्वर प्रमुख थे।

गढ़वाल समाज को साधुवाद-ढबाले ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच बसंतराव ढबाले ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह बड़े हर्ष का विषय है कि नववर्ष के पावन अवसर पर गढ़वाल समाज ने पोटियापाट में स्वच्छता अभियान चलाया। मैं सभी को साधुवाद देता हूं और मां वैनगंगा एवं पोटियापाट बाबा से सभी की मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करता हूं। समाज का सहयोग सदैव बना रहे, और हमारी ओर से भी हर सम्भव सहायता के लिए मैं तत्पर रहूंगा।

आज से समाजसुधार के कार्य जारी-हरिन्द्रवार समाज के वरिष्ठजन लिखीराम हरिन्द्रवार ने कहा कि विगत 10 वर्षों से जो सामाजिक सुधारात्मक गतिविधियाँ रुकी हुई थीं, उनकी पुन: शुरुआत आज नववर्ष के दिन वैनगंगा तट से हो रही है। शासन-प्रशासन की तरह हम भी समाज के स्तर पर अपने पुण्यस्थलों को स्वच्छ और संरक्षित रखने का संकल्प ले रहे हैं।

हनुमान जयंती पर 10 ग्रामों में बांधे जाएंगे जलपात्र गढ़वाल समाज द्वारा आगामी हनुमान जयंती के अवसर पर 12 अप्रैल को पुन: वैनगंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, पक्षियों के लिए 10 ग्रामों क्रमश: पांढ़रवानी, कटंगटोला, आमाटोला, अतरी, छोटी पनबिहरी, बड़ी पनबिहरी, मानपुर, औलियाकन्हार, अमोली एवं लालबर्रा में जलपात्र बांधने का भी संकल्प लिया गया है, जिससे समाज केवल मनुष्यों ही नहीं, प्रकृति के प्रत्येक जीव के प्रति संवेदना व्यक्त कर सके।

चैत्र नवरात्रि एवं ईद उल फित्र को लेकर थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

सुशिल सोनी । सिटी चीफ कोतमा, चैत नवरात्रि एवं ईद उल फित्र को लेकर थाना के सभाकर कक्षा में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक में मुख्य रूप से अजय सराफ नगर पालिका अध्यक्ष, पूर्व विधायक मनोज अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष इकबाल हुसैन बोहरा, ईश्वर प्रधान तहसीलदार, प्रदीप झरिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मनोज सोनी अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी,नवल किशोर सराफ, अमृतलाल गोधवानी, सुनील गौतम, बद्री प्रसाद ताम्रकार, नगर पालिका के सभी पार्षद गण एवं पत्रकार बंधु सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे बैठक में तय किया गया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी ईद उल फित्र का कार्यक्रम रहेगा ईदगाह लहसुई, इस्लामगंज, बनिया टोला में पूर्व समय के तहत ही ईद की नमाज अदा की जाएगी नगर पालिका परिषद द्वारा साफ सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त रखेगा, साथ ही बिजली की व्यवस्था विघुत मंडल द्वारा किया जाएगा नगर में शांति और सौहार्द वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस जगह-जगह तैनात रहेगी मांस बिक्री को लेकर लोगों में भ्रम पैदा किया गया था जिसका निराकरण किया गया कि मांस की बिक्री प्रतिबंधित जगह में किया जाए जिससे कि आम लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

आगामी ईद एवं रामनवमी पर्व के अवसर पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, आगामी ईद एवं रामनवमी पर्व के अवसर पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जिलाधिकारी/नियन्त्रक, नागरिक सुरक्षा मनीष बंसल की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई ।जिलाधिकारी/नियन्त्रक मनीष बंसल द्वारा नागरिक सुरक्षा वार्डनों की भर्ती एवं कार्यशैली के बारे में जानकारी ली गयी। नागरिक सुरक्षा वार्डनों द्वारा विभिन्न अवसरों पर किये गये सहयोग के लिये सराहना की गयी। पूर्व के अनुभव के आधार पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में नागरिक सुरक्षा के वार्डनों से सुझाव प्राप्त किये गये तथा नगर की महत्वपूर्ण मस्जिदों एवं ईदगाह पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग के लिये निर्देश दिये गये ।अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डा0 अर्चना द्विवेदी द्वारा कहा गया कि नागरिक सुरक्षा के वार्डन प्रत्येक पर्व एवं शोभा यात्राओं के दौरान अपना महत्वपूर्ण सहयोग पुलिस-प्रशासन को प्रदान करते है और भविष्य में करते रहेंगे। पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिन्दल ने नागरिक सुरक्षा वार्डनों के द्वारा होली एवं रमजान माह में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में किये गये सहयोग सराहना की तथा अपने स्तर से नागरिक सुरक्षा वार्डनों की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया। उप नियन्त्रक कश्मीर सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में ईद उल फित्तर के अवसर पर नवाज के दौरान शान्ति व्यवस्था में सहयोग के दृष्टिगत नागरिक सुरक्षा वार्डनों की डयूटी लगायी गयी है। नागरिक सुरक्षा के वार्डन सभी धार्मिक पर्वो एवं जुलूसों के दौरान डयूटी के दौरान अपना सहयोग प्रदान करते है तथा भविष्य में भी करते रहेंगे। चीफ वार्डन राजेश कुमार जैन ने जिलाधिकारी/नियन्त्रक महोदय को वार्डन द्वारा पूर्व में किये गये सहयोग के बारे में जानकारी दी। बताया कि नागरिक सुरक्षा के वार्डन बिना किसी वेतन के निष्काम सेवा भाव से सभी पर्वो पर डयूटी देकर अपना सहयोग प्रदान करते है। राजेश कुमार जैन द्वारा सभी वार्डनों की तरफ से आश्वासन दिया गया कि हम सभी सिविल डिफेंस के प्रति तन-मन-धन से समर्पित है। उच्चाधिकारियों द्वारा सौंपे गये समस्त दायित्व का निवर्हन पूर्ण निष्ठा एवं लगन से किया जायेगा। इनके द्वारा वार्डनों की समस्याओं के बारे में ही जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। बैठक में नागरिक सुरक्षा के वार्डनों के साथ साथ ट्रैफिक चीफ वार्डन रमेश दुघेरा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक स्वाभिमान वर्ष है संवत्सर,नवसंवत के साथ योगदिवस कार्यक्रमों की हुई शुरुआत

जनपद न्यायाधीश ने कहा राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने में सबका हित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 का स्वागत मोक्षायतन योग संस्थान, नेशन बिल्डर्स एकेडमी और राष्ट्रवंदना मिशन ने इस दिन होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों, इस दिन मानवता के इतिहास में घटी महान घटनाओं, महान संस्थाओं की स्थापना और संपूर्ण मानवता के कल्याण लिए महान भारत के ऋषियों द्वारा दिए गए जीवन आदर्शो के आधार पर उत्साह पूर्वज सांस्कृतिक स्वाभिमान वर्ष के रूप में किया गया। हर किसी के मर्म को गहरे से छूने वाली बात यह थी कि मोक्षायतन योगाश्रम के संस्कारमय वातावरण में सभी लोग परंपरागत भारतीय वेश, मंत्रोच्चार, यज्ञोपचार और योगाभ्यास में लीन दिखे। अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण के आचार्यत्व में विवेकानंदी पगड़ी में मुख्य यजमान के रूप में स्वयं वैदिक मंत्रोच्चार करते जनपद न्यायाधीश तरुण सक्सेना ने यज्ञोपरांत साधकों और योग शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने में ही सबका हित है इसलिए नए संवत्सर में हम ऐसे लक्ष्य निर्धारित करे जिन से देश का सर्वोन्मुखी विकास हो और इसकी मानवता का कल्याण करने वाली संस्कृति को बल मिले। उन्होंने कहा कि देश और संस्कृति को सुदृढ़ करने का सर्वोत्तम तरीका यहां की आदर्श जीवन शैली और उच्च जीवन मूल्यों को हम अपने जीवन में ढालना है। स्वामी भारत भूषण ने कहा कि आज से शुरू हो रहे योग दिवस कार्यक्रमों का लाभ यज्ञ की सुगंध की तरह सभी तक भेदभाव रहित पहुंचनी चाहिए। संस्थान के योग शिक्षकों और आचार्यों ने कल (आज) प्रात: सात बजे कंपनी बाग प्रदर्शनी स्थल से आरंभ होकर 21 जून तक चलने वाले योगदिवस कार्यक्रमों के लिए सक्रिय रहने का संकल्प लिया। भारतीय नववर्ष को उल्लासपूर्वक मनाने में सामूहिक संकीर्तन, प्रदीप कंबोज व नंद किशोर शर्मा के भजन, अनीता शर्मा और डा अशोक गुप्ता के संबोधन, अमरनाथ और ऋषिपाल सिंह के प्रहसन, शिवम खुशबू और सोनल चौहान की वेदी सज्जा को सभी ने सराहा।

दून हिल्स एकेडमी में अभिभावकों और शिक्षकों ने गहन चर्चा कर बच्चों की शिक्षा में सुधार के तरीकों पर विचार-विमर्श किया

प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट व ट्राफी देकर सम्मानित किया

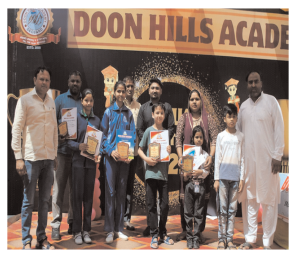

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, दून हिल्स एकेडमी स्कूल में सत्र 2024-25 के परिणाम घोषित करने के लिए माता-पिता-शिक्षक बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों और शिक्षकों ने गहन चर्चा कर बच्चों की शिक्षा में सुधार के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। बैठक सुबह नौ बजे निर्धारित समय पर शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। अभिभावकों ने चल रहे कक्षा पाठ्यक्रम और गृहकार्य आदि पर चर्चा की और इस पहल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। डायरेक्टर तनुराज वर्मा एवं प्रधानाचार्या अंजलि वर्मा ने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा कक्षाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं और छात्रों की समझ के अनुसार पाठ्यक्रम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित करना था। अभिभावकों को कक्षाओं के साथ-साथ स्कूल के मुख्य उद्देश्यों और नए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 की नीतियों और अभिभावकों के अमूल्य विचारों से अवगत कराया जाना था। उन्होंने कहा कि संस्था की सफलता के लिए माता-पिता का सहयोग अमूल्य है जो लगातार प्राप्त हो रहा है। अभिभावकों के सकारात्मक सुझावों को स्वीकार कर क्रियान्वित किया जाएगा। अभिभावकों ने भी इस पहल के लिए
स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य और सभी कर्मचारियों को धन्यवाद किया। डायरेक्टर तनुराज वर्मा ने कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को सर्टिफिकेट व ट्राफी देकर सम्मानित किया तथा उनके उवल भविष्य की कामना की।

ईदगाह में ईद की नमाज की सभी तैयारियां हुई पूरी, कमेटी अध्यक्ष डॉ. अनवर सईद व अन्य सदस्यों ने किया ईदगाह का निरीक्षण

सरकार की गाइडलाइन पर अमल करते हुए मस्जिद ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा करें

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अनवर सईद और सचिव मोहम्मद अनस सिद्दीकी सहित ईदगाह कमेटी के सदस्यों ने ईदगाह पहुंचकर ईद की नमाज को लेकर ईदगाह मैदान में की जाने वाली तैयारियों का जायजा लिया। ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अनवर सईद ने ईदगाह का निरीक्षण करने के उपरांत बताया कि ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। डॉक्टर अनवर सईद ने ईद उल फितर की नमाज के लिए लोगों से समय पर पहुंचने की अपील की। उन्होंने लोगों से ईदगाह की हुदूद के अंदर नमाज पढ़ने का आह्वान किया। इस दौरान सचिव मोहम्मद अनस सिद्दीकी ने बताया कि ईदगाह में नमाज ईद उल फितर की सभी तैयारियां कर ली गई है साफ-सफाई का बेहतर इंतजाम किया गया है साथ ही चूने का छिड़काव और सफ़बंदी भी कर दी गई है। मोहम्मद अनस सिद्दीकी ने बताया कि ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज सुबह 7:30 अदा की जाएगी। उन्होंने सभी से अपील की कि वह सरकार की गाइडलाइन पर अमल करते हुए मस्जिद ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा करें। इस दौरान कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बालिका को बहला फुसला कर ले जाने व बलात्संग के अपराध में आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

झाबुआ दिनांक 12.02.2023 को फरियादी बिलीडोज झाबुआ में बन रहे नव निर्मित भवन में चौकीदारी का काम करता था, साथ में फरियादी की बालिका (उम्र करीबन 16 वर्ष) भी रहती थी। फरियादी घटना दिनांक को रात्री में अपने घर खाना लेने आया था, बालिका नवर्मित भवन पर अकेली थी। फरियादी खाना लेकर वापस आया तो बालिका नव निर्मित मकान पर नही थी। आसपास व रिस्तेदारी में भी पता करने पर बालिका नही मिली। फरियादी द्वारा घटना की सूचना पुलिस थाना झाबुआ में दी गई, जिस पर थाना झाबुआ पर अपराध क्रमांक 128/2023 धारा 363 IPC दर्ज कर विवेचना में लिया गया। उक्त प्रकरण की विवेचना उनि. सुनीता चौहान द्वारा की गई। उक्त बालिका के दस्तयाबी उपरांत प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर धारा मे इजाफा करते हुए धारा 376(2N) IPC एवं 5/6 पॉक्सो एक्ट बढाई गई। उक्त प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए द्वितीया अपर सत्र न्यायाधीश, जिला झाबुआ सुभाष सुनहरे द्वारा आरोपी राजू पिता फत्ता मेडा उम्र 22 वर्ष निवासी सेमलिया बडा को दोषशिद्ध पाते हुए धारा 376(2ह) IPC एवं 5/6 पॉक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त प्रकरण का प्रतिनिधित्व श्रीमती मनीषा मुवेल, विशेष लोक अभियोजक द्वारा किया गया।

उत्साह से मनाया गुड़ी पड़वा, नवरात्रि के साथ नववर्ष का हुआ शुभारंभ

खेतिया,विक्रम संवत 2082 की शुरुआत के साथ चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ होने के साथ गुड़ी पड़वा का पर्व खेतिया शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक उत्साह से मनाया गया। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही विक्रम संवत 2082 प्रारंभ हो गया है वही आज सुबह से ही शहर में काफी हलचल दिखाई दे रही थी। लोगों ने अपने घरों के सामने रंगोली बनाते हुए घरों पर गुड़ी लगाते हुए इस अवसर पर विशेष प्रकार के पकवानों में बनाए जाने वाली परंपरागत पूरनपोली का निर्माण भी किया है। परंपरागत रूप से लगाई जाने वाली गुड़ी की पूजा की , गुड़ी एक डंडे पर उल्टा रखा गया लोटा होता है, जिस पर चेहरे की आकृति उकेरी जाती है और रेशमी वस्त्र लपेटे जाते हैं,इसके साथ नीम के पत्ते,शक्कर के बने हार कंगन लगाए जाते है। यह विजय, समृद्धि और संरचना का प्रतीक माना जाता है। खासतौर पर महाराष्ट्रीय परंपरा में इसका बहुत विशेष स्थान है। गुड़ी को घर के मुख्य द्वार या छत पर लगाया जाता है, जो नएवर्ष आरंभ के संदेश को दर्शाता है। गुड़ी पड़वा पर बनने वाले व्यंजनों में परंपरागत रूप से बनने वाली पूरनपोली है जो लगभग 2 फीट की गोलाई में बनती जिसमें चना दाल गुड का मिश्रण भरा रहता है इतनी बड़ी पूरनपोली को महिलाएं अपने हाथों से बड़ी कर मिट्टी के बर्तन खप्पर पर रखकर चूल्हे पर पकाती है, यह परंपरागत पूरनपोली का निर्माण पुरानी पीढ़ी के लोगों में अब तक किया जा रहा है वहीं महिलाएं छोटे आकार में भी पूरन पोली बना रही हैं पूरन पोली के साथ रस श्रीखंड भी बनाया जाता है पूरन पोली का मीठा स्वाद व गुड़ी पड़वा पर अगर पूरन पोली न बनाई जाए, तो त्योहार अधूरा सा लगता है। चने की दाल और गुड़ से बनी यह पारंपरिक रोटी पूरनपोली सिर्फ स्वाद में लाजवाब नहीं, बल्कि ऊर्जा और पाचन के दृष्टिकोण से भी अत्यंत फायदेमंद है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, गुड़ी पड़वा के दिन ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी. प्राकृतिक रूप से देखें, तो इस पर्व को वसंत ऋतु का नई उमंग और जीवन की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है. यह पर्व हिन्दू धर्म की परंपराओं, संस्कृति और कृषि के महत्व को समझाता है. आज से ही नववर्ष व चैत्र नवरात्रि प्रारंभ हुई सनातन धर्म के धार्मिक पर्वों और त्यौहारों में से एक है नवरात्रि, जिसे अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार, नए वर्ष के आरम्भ से लेकर राम नवमी तक नवरात्रि को मनाया जाएगा माँ दुर्गा की कृपा दृष्टि एवं आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना, पाठ और अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न किये जाएंगे।खेतिया से लगी महाराष्ट्र की सीमा में कोचरा माताजी मंदिर पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे,, त्योहार को लेकर क्षेत्रीय विधायक श्याम बर्डे की पत्नि पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती निर्मला बर्डे आज बाज़ार में सादगी से खरीददारी करती दिखाई दी गुड़ी पड़वा का इतिहास बहुत पुराना है और यह पर्व हमारे सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. ऐसा माना जाता है कि इस दिन से ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना शुरू की थी. इसी कारण इसे नववर्ष का आरंभ भी कहा जाता है. इसके अलावा, गुड़ी पड़वा मराठा साम्राज्य के गौरव का प्रतीक भी माना जाता है. जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने अनेक युद्धों में जीत हासिल की, तो उनकी सेना ने विजय के प्रतीक के रूप में गुड़ी फहराई. तभी से यह पर्व जीत, खुशहाली और नई शुरुआत का प्रतीक बन गया. यह दिन हमें सिखाता है कि हर संघर्ष के बाद सफलता मिलती है और हर नया दिन नए अवसर लेकर आता है. गुड़ी पड़वा का इतिहास हमें प्रेरणा जीवन में कभी हार न मानने और उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है गुड़ी पड़वा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि उम्मीद और नई शुरुआत का प्रतीक है. यह दिन हमें सिखाता है कि जैसे प्रकृति हर साल नए रंगों से सजती है, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना चाहिए. गुड़ी पड़वा पर घर के बाहर जो गुड़ी लगाई जाती है, वह विजयी पताका का प्रतीक मानी जाती है. यह हमें याद दिलाती है कि अच्छे कर्म और सच्चाई के रास्ते पर चलकर ही सफलता मिलती है नववर्ष के प्रारंभ होने पर सभी ने एक दूसरे की बधाई दी

अक्षत कुमकुम का तिलक लगा कर दी नववर्ष की शुभकामनाएं

खरगोन-सनातन धर्म का नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ीपड़वा से प्रारम्भ होता है ।विक्रम संवत अनुसार आज से नवसंवत्सर 2082 में प्रवेश होगा ।इसी दिन से माता की आराधना ओर भक्ति का पर्व चैत्र नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है । गुड़ी पड़वा व वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 हिन्दू नव वर्ष शुभागमन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवको द्वारा सनातनी बंधुओं को तिलक लगाकर कर हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दी । स्वयंसेवकों द्वारा प्रात:काल से ही नगर के मुख्य मार्गो ,चौराहे से होकर आने जाने वाले सनातनी बंधुओं का हाथ जोड़कर अभिवादन किया व अक्षत कुमकुम का तिलक लगाकर नववर्ष ,गुडीपडवा व चेत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी ।

कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान की विशेष उपस्थिति में हुए विक्रमोत्सव के अंतर्गत विभिन्न आयोजन

जनजागरण से ही सांस्कृतिक पुनरुत्थान संभव है – कैबिनेट मंत्री चौहान

अलीराजपुर कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान एवं कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की विशेष उपस्थिति में कॉलेज सभागार में नववर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम कैबिनेट मंत्री चौहान एवं कलेक्टर डॉ बेडेकर ने सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में सूर्य देव की उपासना करते हुए अर्घ्य समर्पित किया 1 इसके पश्चात प्रगति एवं गतिशीलता के प्रतिक के रूप में ब्रह्म ध्वज की स्थापना की । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ बेडेकर ने बताया कि विक्रमोत्सव के आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी के अंदर वैदिक काल गणना के विषय में जिज्ञासा जागृत करना है । कलेक्टर डॉ बेडेकर ने बताया कि आज का दिन सृष्टि प्रारंभ एवं विक्रम संवत के प्रारंभ होने का दिवस है , आज से काल गणना के अनुसार हम लोग 2082 वे वर्ष में प्रवेश कर रहे है । उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय संस्कृति में नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है । देश में गुडी पडवा , चैती चांद उगादी जैसे नामों से इस दिन को मनाया जाता है कैबिनेट मंत्री चौहान ने उपस्थित जनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की एवं बताया कि यह मध्यप्रदेश शासन की अच्छी पहल है कि भारतीय नव वर्ष को इतने बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है । विक्रमोत्सव के माध्यम से इतिहास की जो जानकारी हमें नहीं प्राप्त थी वह भी पहुंचाई जा रही है । हमारी संस्कृति में काल गणना प्राचीन समय से की जा रही है । इसके विषय में जानकारी का अभाव रहता है ।

इस कार्यक्रम के माध्यम से जो जानकारी आप लोगो को प्राप्त हुई है वह जन जन तक पहुंचाए ,उसी के माध्यम से सांस्कृतिक पुनउत्थान संभव होगा । उन्होंने इस दौरान वैदिक इतिहास की जानकारी से परिपूर्ण पुस्तक का भी विमोचन किया । उन्होंने कहा कि इस पुस्तिका में उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा वैदिक काल गणना , वैदिक घड़ी , अदि के विषय में विस्तृत जानकारी है । इसके पश्चात मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के शैलेन्द्र मण्डोड एवं आयशा चौहान के नाट्य दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केनद्रित नाट्य का मंचन किया जिसमें राजा विक्रमादित्य के जीवन के विषय में , विक्रम संवत की अवधारणा एवं शक साम्राज्य पर मालवा नरेश विक्रम सेन की विजय का सजीव मंचन किया गया । इस दौरान संयुक्त कलेक्टर प्रियांशी भंवर , अनुविभागीय अधिकारी एसआर यादव , सीजी गोस्वामी , डिप्टी कलेक्टर सुश्री निर्मला कलमे , प्रभारी सहायक आयुक्त संजय परवाल ,जिला शिक्षा अधिकारी श्री अर्जुन सिंह सोलंकी , समेत होस्टल अधिक्षक एवं अधिक्षिकाएं एवं संबंधित विभाग कर्मचारी उपस्थित थे ।

गौमाता सेवा संस्थान में नववर्ष पर हुआ गौ भंडारा

निमाड़ के प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता दामोदर महाराज ने कराया गौ पूजन व भंडारा

खरगोन- वर्ष प्रतिपदा हिन्दू नव संवत्सर ,विक्रम संवत 2082 गुड़ीपड़वा व चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर निमाड़ के सुप्रसिद्ध भागवत कथा प्रवक्ता दामोदर जी महाराज(पिपरी वाले) ने गांधी नगर स्थित गौमाता सेवा संस्थान पर गौवंश के लिए गौग्रास भंडारे का आयोजन किया जिसमें गौवंश के लिए विभिन्न प्रकार की ताजी सब्जी ,गुड़, सुकला ,आदि का भोग गौमाता को अर्पण किया। सर्वप्रथम आचार्य पंडित आंनद स्वरुप मलतारे ने वैदिक मंत्रोपच्चार के साथ गौमाता का पूजन संपन्न कराया ।पूजन पश्चात सभी गौसेवकों ने गुरुजी दामोदर महाराज व गऊमाता का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित सागर वोरे गौ माता सेवा संस्थान जिला अध्यक्ष सतीश राठौड़ ,ऋषि यादव,राजू चन्द्रे,गब्बर यादव,मनोज कर्मा ,राजा चौहान प्रियांशु माहेश्वरी (रोनी),आयुष चौहान,किशोर रघुवंशी(मामा), दीप जोशी ,राजू सोनी ,गौ सेवको की बाल टोली सहित बड़ी संख्या में गौसेवक उपस्थित रहे ।

संत की तरह परोपकारी जीवन -बता दे कि दामोदर महाराज (पिपरी वाले)का जीवन एक परोपकारी संत के जैसा है आप जहां भी कथा करते है वहाँ से प्राप्त सारी दानराशि को धार्मिक व सामाजिक कार्यो के लिए खर्च करते है विशेष कर निराश्रित ,बीमार गौ वंश की सेवा में इनके द्वारा खरगोन नगर व आसापास की कई गौशालाओं में गौग्रास व छाया के लिए टिन शेड,पवित्र माँ नर्मदा के तट पर घाट निर्माण जैसे कई परोपकारी कार्य कराए गए है ।

जल गंगा संवर्धन अभियान में 18 अमृत सरोवर , 840 खेत तालाब का निर्माण , प्राचीन कुए बावड़ी जलाशयों का पुनरुद्धार किया जाएगा - कलेक्टर डॉ बेडेकर

अलीराजपुर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में आज ग्राम पंचायत कवठू में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया । जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए मध्यप्रदेश सरकार की पहल है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ बेडेकर ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हम सभी लोग पानी की बूंद बूंद बचाने का संकल्प लेंगे । इस अभियान के दौरान 18 अमृत सरोवर , 840 खेत तालाब का निर्माण , प्राचीन कुएं बावड़ी जलाशयों का पुनरुद्धार किया जाएगा । इस अभियान को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण अंग है । इस दौरान निर्मित एवं पुर्नद्धारित किए

गए जलाश्यों का उपयोग आने वाली वर्षा ऋतु में महत्वपूर्ण होगा ।

कलेक्टर डॉ बेडेकर ने कवठू ग्राम की प्राचीन महादेव बावड़ी के उत्थान के लिए ग्रामीणों के साथ श्रमदान किया उन्होंने कहा कि इन प्राचीनतम जलाशयों पर हमारा पुराना पारिस्थितिक तंत्र आश्रित रहा है । इसके पुनरुद्धार के लिए सभी ग्रामवासी प्रयास करें ताकि एक उत्तम जल संग्रहण स्त्रोत हमें प्राप्त हो सके ।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जीपी प्रजापति , सरपंच सीमा निगवाल सहित अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

आज समय हैं हमे अपनी संस्कृति विरासत को समझने कि सहेजने की और उचित सम्मान देने का सार्थक प्रयास करना चाहिए

जावरा - चैत्र शुक्ल विक्रम संवत् के आरंभ होने का दिन हैं। ब्रह्मा जी द्वारा अनंत काल से आज सृष्टि का आरंभ चैत्र सुदी एकम को किया वही से इस धरा पर भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2082 चैत्र नवरात्रि गुड़ी पड़वा एवं अंनत लब्धि निधान श्री गौतम स्वामी जी का अवतरण दिवस भी हैं । विक्रम संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अनुशासन से बंधे हुए हमारे आचार विचार हमे मास पक्ष और तिथियों का ज्ञान होने के साथ पुरानी नई पीढी के लोग विक्रम संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के साथ दिल से जुड़े हुए है, क्योकि हमारे धार्मिक रीती रिवाज जन्म, विवाह, मृत्यु से संबंधित सामाजीक व्यवहार पर्व और त्योहार इसी पर निर्भर हैं । आज समय हैं हमे अपनी संस्कृति विरासत को समझने कि सहेजने की और उचित सम्मान देने का सार्थक प्रयास करना चाहिए ।

हमे हमारे पुर्वजो ने सिखाया बताया की आज से नये कार्यों का शुभारंभ करते हैं जिससे हमे सफलता मिलती है। आज निश्चित रूप से जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार द्वारा गौ माता का पुजन वंदन कर स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया यह अनुकरणीय हैं ।

यह नववर्ष हमारे देश-प्रदेश के साथ आप हम सभी के जीवन में सुख समृद्धि और वैभव लेकर आये यहीं मंगलकामनाये आप सभी को हैं।

उक्त विचार जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन म प्र रीजन के उपाध्यक्ष गुरु संदीप रांका द्वारा स्थानीय जीवदया सोसायटी गोशाला पर गो सेवा के दोरान व्यक्त किये। स्वागत भाषण देते हुए ग्रुप के अध्यक्ष आलोक बरैया द्वारा सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में जो सहयोग स्नेह अपनत्व जिस उदारता के साथ जो प्यार आप सभी ने दिया उसके प्रति मन कि असीम गहराइयों से स्वागत अभिनंदन करते हुए आप सभी को धन्यवाद देते हुए दो वर्षों में मेरे द्वारा कुछ कहने में आया हो जिससे किसी का मन दुखी हुआ हो तो सभी से मिच्छामी दुक्कडम करता हूँ ।

उक्त जानकारी देते हुए ग्रुप के उपाध्यक्ष दिपक मेहता, प्रचार सचिव मनीष धारीवाल ने बताया की ग्रुप के पुर्वाध्यक्ष राजीव लुक्कड, साथी नितिन लुक्कड, अंकिन्त लुक्कड, रोनक लुक्कड की दादीजी संघ माता रोशन बाई लुक्कड के निधन पर सामुहिक रुप से श्रद्धांजलि अर्पित कर नवकार महामंत्र का पाठ किया गया।

आज की गोसेवा स्वामीवात्सल्य का लाभ अभय छजलानी, मनीष धारीवाल, राजीव लुक्कड, मनीष पोखरना द्वारा लिया गया अंत में स्वल्पाहार का लाभ आलोक बरैया ने लिया उक्त आयोजन मै अध्यक्ष आलोक बरैया, पुर्वाध्यक्षद्वय संदीप रांका, आशीष पोखरना के साथ नवीन अध्यक्ष राजेश पोखरना, दिपक मेहता, मनीष मेहता, संदीप दसेडा, डॉ ऋषि मेहता, अभय काठेड, आशीष चतर, राहुल छाजेड़, संजय भटेवरा,तरुण टुकड़िया, पुखराज सुराणा, राजेश हिंगड, रितेश चोपड़ा, शेखर मांडोत, अजय तातेड़, संदीप तलेसरा के साथ नम्रता बरैया, सारिका ?पोखरना, वर्षा धारीवाल, सोनिया छजलानी, रीना हिंगड, जया सुराणा, तृप्ति तातेड़, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नवीन अध्यक्ष राजेश पोखरना ने किया अंत मे आभार मनीष पोखरना ने व्यक्त किया।

कुक्षी पुलिस को मिली बडी सफलता, 24 घण्टे के अंदर चोरी का पर्दाफास चोरी गई पोशन प्रो. मोटर

सायकल किमती 60000 रुपये जप्त

अलीराजपुर- दिनांक 28.03.2025 को फरियादी दिनेश पिता अन्तरसिंह डावर जाति भीलाला उम्र 34 साल निवासी गिरवान्या ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 20.03.2025 को शाम करीब 19.30 बजे ग्राम मुन्ना डावर की दुकान के सामने बाडे में खड़ी करके चला गया था, बाद मे आकर देखा तो खडी किये गये स्थान पर पेशन प्रो हिरो होण्डा मो.सा. एमपी 45 एमडी 1942 किमती 60000 रुपये को अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कुक्षी पर अप.क्र. 135/2025 धारा 331(4)305 बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया । इस मामले को गंभीरता से लेते हुवे वरिष्ट पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी कुक्षी राजेश यादव ने एक टीम गठित की,टीम के लगातार प्रयास के दौरान मुखबीर के माध्यम से एवं तकनिकी साक्ष्यो के आधार पर सूचना प्राप्त हुई कि इस घटना मेसंदिग्ध पंकज उर्फ पंकेस पिता सुरपाल डावर जाति भिलाला उम्र 19 साल निवासी डाबडी डाबरपुरा थाना जोबट जिला अलिराजपुर की होने की संभावना होने से घर पर तलाश की गई जो अपने घर पर नही मिला व फरार चला रहा था। जो पुलिस ने लगातार पतारसी के प्रयास किये तो कुक्षी मे होना पता चला, इस पर पुलिस की टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को कुक्षी बाग रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर थाने लेकर आई व उनसे हिकमातमली से पुछताछ करतेप्रारंभ में वे पुलिस को गुमराह करता रहा फिर पुलिस ने उनसे वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक एंव तकनिकी आधार पर पुछताछ की तो उन्होने अपना जुर्म स्वीकार किया और बताया कि घटना दिनांक 28.03.2025 को उन्होने यह मोटर सायकल मुन्ना कीदुकान के सामने बाडे से चोरी करना बताया आरोपी के कब्जे से चोरी गई मो.सा. को जप्त कर आरोपी पंकज उर्फ पंकेश डावर को धारा 331(4),305 बीएनएस मे गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी से अन्य मामलो मे पूछताछ कर न्यायालय कुक्षी पेशकिया जावेगा । इस उल्लेखनीय सफलता में निरीक्षक राजेश यादव, प्र. आर. 722 कुन्दन बघेल, प्र. आर. 213 सतीष जरिया प्रआर 440 वेस्ता, आर.886 अजय तंवर आर.247 प्रदीप डावर, आर. 69 जयेन्द्र, का विशेष योगदान रहा है। वरिष्ट पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई

छोटा बेटमा के खेत में अज्ञात लाश मिली बेटमा पुलिस जांच में जुटी

बेटमा ।छोटा बेटमा के खेत में अज्ञात लाश मिलने पर गांव में फेली सनसनी बेटमा पुलिस जांच में जुटी। फरियादी मनोज पटेल ने बेटमा थाने आकर रिपोर्ट किया की में ग्राम बिजेपुर में रहता हूँ तथा खेती करता है,आज दिनांक 29.03.25 को शाम करीब 7-8 बजे मुझे गांव के मजदुरो ने बताया कि इन्दौर धार रोड चौहान साहब के खेत के पास रोड किनारे ग्राम छोटा बेटमा में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है ।वही 4-5 दिन पुरानी लाश लग रही है तो मैं तथा मुकेश पटेल व भारत ठेकेदार चौहान साहब के खेत के पास पहुंचे जहाँ हमने देखा कि चौहान साहब के खेत के पास रोड किनारे एक व्यक्ति उम्र करीब 40-45 साल का शव पड़ा है ।जो करीब 4-5 दिन पुरानी लाश लग रही है जिसके शरीर से काफी दुर्गन्ध आ रहीं थी मुहँ से किडे निकलते दिख रहे है जो शरीर पर क्रिम कलर का शर्ट व सफेद काली नीली टीशर्ट व ग्रे रंग की जर्किन पहने है व कमर में पेन्ट के उपर नाडे बंधे है। और दाहिने पैर में निले रंग का जुता पहने है ।उसके मुहँ एव चेहरे की चमडी निकली है व जबड़े का निचला हिस्सा जंगली जानवरो द्वारा खाया दिख रहा है दाँत आधे जमीन पर गिरे हुए है व सिर के बाल निकल गये है तथा बालो के गुच्छे सिर के आसपास पडे है, पहनावे व हुलिये से लाश भिखारी व्यक्ति की लग रही थी फिर में मुकेश व भारत ठेकेदार के साथ थाने पर सूचना की जिसमें बेटमा पुलिस मोके पर पहुंची और जांच में जुटी।

कुक्षी के दाउदी बोहरा समाज ने मनाई आज ईद, विशेष नमाज अदा कर मांगी गई अमन शांति की दुआ...

कुक्षी- बोहरा समाज के लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी. इसके साथ ही बोहरा समाज ने नमाज में देश में अमन-शांति के साथ ही आपसी भाईचारे को कायम रखने और सामाजिक सौहार्द बनाये रखने के लिए भी दुआएं मांगी. दाउदी बोहरा समाज द्वारा रमजान का आखिरी रोजा कल यानी शनिवार को रखा गया जिसके बाद रवीवार आज ईद का त्यौहार मनाया जा रहा है. बोहरा समाज ने आज ईद की विशेष नमाज अदा की. रमजान के एक माह की इबादत के बाद आज रवीवार को बोहरा समाज द्वारा मज्जिद में सुबह करीब 7 बजे ईद की विशेष नमाज अदा की गई

इंडस्ट्री में काम न मिलने पर इस एक्ट्रेस का छलका दर्द, वजह सुशांत सिंह राजपूत?

नेशनल डेस्क. टीवी इंडस्ट्री में कई बार सितारों को अपनी राय रखने की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। 'ससुराल सिमर का' फेम एक्ट्रेस क्रिस्न बैरेटो को भी इसी दौर से गुजरना पड़ा। हाल ही में उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपने करियर से जुड़ी परेशानियों को साझा किया और बताया कि सुशांत सिंह राजपूत केस पर बोलने की वजह से उन्हें इंडस्ट्री से दूर कर दिया गया। शार्दुल पंडित के पॉडकास्ट में आईं क्रिस्न बैरेटो ने बताया, अगर आप इंडिया में एक्टर हैं, तो आपको किसी के लिए दुख जाहिर करने की भी इजाजत नहीं है। जब कोई चला जाता है और आप शोक मनाते हैं, तो लोग इसे सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट समझते हैं। क्रिस्न ने आगे

कहा, क्योंकि आप कैमरे के सामने रहते हैं, लोगों को लगता है कि आप अपनी भावनाओं को भी एक्टिंग की तरह दिखा रहे हैं। लेकिन सच्ची फीलिंग्स के लिए यहां कोई जगह नहीं है।

'सुशांत केस पर बोलने की सजा मिली'

क्रिस्न बैरेटो ने बताया कि जब सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद पूरा देश सदमे में था, तब उन्होंने भी अपनी भावनाएं सोशल मीडिया पर जाहिर की थीं। लेकिन उनका ऐसा करना भारी पड़ गया। इस केस के बारे में कोई बात नहीं कर रहा था, क्योंकि इसमें खतरा था। लेकिन मैंने अपनी दोस्ती और इंसानियत के नाते आवाज उठाई। मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसकी इतनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने आगे कहा, मेरे माता-पिता तक मुझसे नाराज थे। उन्हें लगा कि मैं अपनी जिंदगी खतरे में डाल रही हूं। दोस्तों ने भी मुझे फोन करके कहा कि इस मामले में मत बोलो। लेकिन मैं चुप नहीं रह सकती थी।

क्रिस्न बैरेटो ने खुलासा किया कि इस मुद्दे पर बोलने के बाद से उनके लिए इंडस्ट्री के दरवाजे बंद हो गए। जब आप किसी चीज के लिए स्टैंड लेते हैं, तो लोगों को अंदाजा भी नहीं होता कि इसके बाद आपके लिए कितनी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। मेरे साथ ऐसा ही हुआ। मुझे काम मिलना बंद हो गया। इंडस्ट्री ने मुझसे किनारा कर लिया। मैंने बहुत कुछ खोया और बदले में कुछ भी नहीं पाया।

'फेम पाने के लिए ऐसा नहीं किया'

क्रिस्न ने ये भी साफ किया कि उन्होंने ऐसा सिर्फ फेम पाने के लिए नहीं किया था, बल्कि एक सच्चे दोस्त की तरह अपना फर्ज निभाया था। लोगों ने कहा कि मैंने पब्लिसिटी के लिए ऐसा किया। लेकिन मुझे इससे क्या मिला? सिर्फ नुकसान ही हुआ। लेकिन मैं अब भी अपने फैसले से खुश हूं, क्योंकि मैंने वही किया जो मुझे सही लगा।

'मैं अपने फैसले पर गर्व करती हूं'

भले ही इंडस्ट्री से बाहर कर दिए जाने का दर्द क्रिस्न के शब्दों में झलकता है, लेकिन वो अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं रखतीं। मुझे इस बात की परवाह नहीं कि मैंने क्या खोया। कम से कम मैंने सच के लिए आवाज उठाई।

क्रिस्न के इस खुलासे के बाद फैंस सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में उतर आए हैं। कई लोग उनके जज्बे की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्होंने जो किया वो बिल्कुल सही था।

सूर्या के बल्ले से गूंजेगा नया रिकॉर्ड

रोहित-विराट के बाद 350 छक्के जड़ने वाले तीसरे भारतीय बनने की ओर

नेशनल डेस्क. मुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव आईपीएल 2025 में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाने के करीब हैं। अगर वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आगामी मैच में 3 छक्के जड़ते हैं, तो वह झ20 क्रिकेट में 350 छक्के पूरे करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। सूर्यकुमार यादव के लिए यह एक बड़ा मौका है, क्योंकि इस रिकॉर्ड के बाद वह भारत के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे जिन्होंने इस कारनामे को हासिल किया है।

इस सीजन में दिखा सूर्यकुमार यादव का शानदार प्रदर्शन

आईपीएल 2025 के शुरुआती दो मैचों में सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है। पहले मैच में उन्होंने 29 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में उन्होंने 48 रन की पारी खेली। हालांकि मुंबई इंडियंस इन दोनों मैचों में हार गई, लेकिन सूर्यकुमार का फॉर्म उनके लिए एक सकारात्मक संकेत है। अब उनका ध्यान तीसरे मैच में एक बड़ी पारी खेलने पर है, ताकि वह अपनी टीम को जीत दिला सकें और साथ ही T20 क्रिकेट में 350 छक्के लगाने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी बना सकें।

350 छक्कों का रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव के पास 350 T20 छक्के लगाने का अवसर है, जो अब तक केवल दो भारतीय बल्लेबाजों ने हासिल किया है। इनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली का नाम शामिल है। रोहित शर्मा ने T20 क्रिकेट में 525 छक्के जड़े हैं, जबकि विराट कोहली के नाम 420 छक्के हैं। सूर्यकुमार यादव अब तक 311 T20 मैचों में 347 छक्के जड़ चुके हैं। अगर वह अगले मैच में 3 छक्के लगाते हैं, तो वह T20 क्रिकेट में 350 छक्के पूरे करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। इसके अलावा, अगर हम विश्व रिकॉर्ड की बात करें, तो सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 1056 छक्के जड़े हैं, जो T20 क्रिकेट में सबसे अधिक हैं। इस रिकॉर्ड के बाद दुनिया

में केवल 32 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने T20 क्रिकेट में 350 या उससे ज्यादा छक्के जड़े हैं, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय दिग्गज भी शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा T20 छक्के

भारत में सूर्यकुमार यादव इस रिकॉर्ड के करीब पहुंच चुके हैं, और अगर वह अगले मैच में यह रिकॉर्ड बना लेते हैं, तो वह एक नई उपलब्धि हासिल करेंगे। भारतीय क्रिकेट में T20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी इस प्रकार हैं-

1. रोहित शर्मा – 525 छक्के
2. विराट कोहली – 420 छक्के
3. सूर्यकुमार यादव – 347 छक्के
4. संजू सैमसन – 342 छक्के
5. मएस धोनी – 341 छक्के
6. सुरेश रैना – 325 छक्के

संजू सैमसन भी 342 छक्कों के साथ सूर्यकुमार यादव से केवल 5 छक्के पीछे हैं। हाल ही में, सैमसन ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ते हुए T20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में चौथा स्थान हासिल किया। अगर सैमसन इस आईपीएल सीजन में एक और छक्का जड़ते हैं, तो वह भी 350 छक्के पूरे कर लेंगे।

सूर्यकुमार के लिए यह सीजन चुनौतीपूर्ण

सूर्यकुमार यादव के लिए यह आईपीएल सीजन बहुत महत्वपूर्ण है। वह न केवल अपने रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए खेल रहे हैं, बल्कि वह मुंबई इंडियंस को अपनी कप्तानी में जीत दिलाने के लिए भी पूरी तरह से तैयार हैं। मुंबई इंडियंस के लिए यह सीजन अभी तक काफी चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि टीम ने अपने पहले दो मैचों में हार का सामना किया है।

हालांकि, सूर्यकुमार का फॉर्म और उनकी कप्तानी की दिशा से उम्मीदें बनी हुई हैं कि वह जल्द ही टीम को एक जीत दिलाएंगे। मुंबई इंडियंस के लिए तीसरा मैच खास होगा, क्योंकि यह उनका घरेलू मैदान पर पहला मैच होगा। टीम और खासकर सूर्यकुमार के लिए यह मैच जीतने की कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन अगर वह यह जीत हासिल करते हैं तो यह न केवल उनके रिकॉर्ड बल्कि उनकी कप्तानी के लिए भी बहुत अहम होगा।

बिहार में जल्द बनेगा माता सीता का भव्य मंदिर...

विधानसभा चुनाव से पहले अमित शाह ने किया ऐलान

केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज कहा कि बिहार में माता जानकी के भव्य मंदिर का शीघ्र निर्माण किया जाएगा। शाह ने रविवार को कहा कि बिहार की यह भूमि, विशेषकर गोपालगंज और आसपास के जिलों ने हमेशा देश को नया रास्ता दिखाया है। चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम हो या जयप्रकाश नारायण का लोकतंत्र बचाने का आंदोलन, गोपालगंज की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने 1917 के चंपारण सत्याग्रह के महान स्वतंत्रता सेनानियों बाबू गंगा विष्णु राय, सुंदरलाल, भोपाल पंडित का स्मरण किया।

पूरी दुनिया को आकर्षित करेगा माता सीता का भव्य मंदिर

भाजपा नेता ने कहा कि सिर्फ बुनियादी विकास ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विकास और बिहार की धरोहरों का सम्मान भी होगा। वर्षों से लोगों को भगवान राम के मंदिर निर्माण का इंतजार था। लालू यादव एंड कंपनी ने कई अड़चनें डालीं, लेकिन 500 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला को अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान कराया और अब बारी माता सीता की है। शाह ने कहा कि बिहार में माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा और पूरी दुनिया को आकर्षित करेगा, जो मातृशक्ति का संदेश देगा। अयोध्या-जनकपुर रामायण सर्किट बिहार के पर्यटन को बढ़ावा देगा। बोधगया, नालंदा, विक्रमशिला सहित कई सर्किट विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विक्रमशिला विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार किया जा रहा है और नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन मोदी पहले ही कर चुके हैं।

मोदी ने मधुबनी पेंटिंग को दिया [illegible] टैग

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वैशाली महोत्सव की शुरुआत की गई है। श्रद्धेय अटल बिहार वाजपेयी ने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। मोदी ने मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग प्रदान किया। भाजपा शासित राज्यों में छठ पूजा को पूरे देश का उत्सव बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। गुजरात में शाश्वत मिथिला महोत्सव की शुरुआत हुई। बिहार में राजगीर महोत्सव और सोनपुर मेला को फिर से शुरू किया गया। मोदी सरकार ने बिहार कोकिला शारदा सिन्हा को पद्म भूषण दिया था और उनकी मृत्यु के बाद उन्हें पद्म विभूषण देकर सम्मानित किया।

म्यांमार में विनाशकारी भूकंप से मृतकों का आंकड़ा 1700 के पार

दिल दहलाने वाले वीडियो आ रहे सामने

म्यांमा में मलबे से और शव निकाले जाने के बाद भूकंप के कारण मासरकारी प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन टुन ने सरकारी टीवी चैनल 'एमआरटीवी% को बताया कि भूकंप के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 1,700 से अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि 3,400 लोग घायल हुए हैं तथा 300 से अधिक लोग लापता हैं। म्यांमा में शुक्रवार दोपहर को 7.7 तीव्रता का भूकंप आने से राजधानी नेपीता और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले सहित कई अन्य स्थानों पर व्यापक नुकसान हुआ। एपी रे गए लोगों की संख्या बढ़कर 1,700 से अधिक हो गई है। भूकंप से मची तबाही के बाद दिल दहलाने वाले वीडियो सामने आ रहे हैं। देश की सैन्य नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कलयुगी बाप के सिर चढ़ा शैतान, 8 दिन पहले पैदा हुई बेटी के साथ किया रेप और फिर...

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिण अफ्रीका से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक पिता ने अपनी आठ दिन पहले पैदा हुई बेटी से पहले रेप किया फिर उसकी हत्या कर दी। वहीं 37 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी व्यक्ति ह्यूगो फ़ेरेरा ने अपनी नवजन्मी बेटी के साथ रेप और हत्या की बात कबूल कर ली है।उसने बताया कि उसने अपने घर पर नवजन्मी बेटी के साथ रेप किया और फिर उसको नीचे पटक दिया जिसके परिणामस्वरूप सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। जिस समय ह्यूगो फ़ेरेरा ने अपनी बच्ची की जान ली उस वक्त उसकी मां घर से बाहर गई हुई थी। उसने बताया कि उसने बाद में अपनी पत्नी को भी जान से मारने की धमकी दी। फरेरा ने पहले से घायल बच्चे को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। वहीं फरेरा न केवल बुरे काम को अंजाम दिया बल्कि बच्ची की मां से उसके जख्मों को छिपाने की भी कोशिश की जबकि फरेरा पूरी तरह से जानता था कि बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। ह्यूगो फरेरा ने इस घिनौने काम के दौरान न केवल बच्ची पर यौन हमला किया बल्कि मौत के जोखिम को भी नजरअंदाज किया।

बाबा वेंगा की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

2043 तक इस देश में होगा इस्लामिक शासन

नेशनल डेस्क. बाबा वेंगा, जो एक प्रसिद्ध बुल्गेरियाई भविष्यवक्ता थीं, ने 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन के बारे में एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी की थी। यह भविष्यवाणी यूरोप में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के संदर्भ में प्रमुख रूप से देखी जा रही है। पिछले कुछ दशकों में, यूरोप में मुस्लिम आबादी का तेजी से वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से आव्रजन और उच्च जन्म दर के कारण हो रही है। वेंगा की भविष्यवाणी को इस सामाजिक और सांस्कृतिक बदलावों से जोड़ा जा रहा है, जो यूरोप के भविष्य के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बदल सकते हैं।

बाबा वेंगा ने यह भी कहा था कि यूरोप में इटली वह देश हो सकता है, जहां इस्लामिक शासन की शुरुआत सबसे पहले हो सकती है। यह विचार उनके समर्थकों के बीच काफी चर्चा का विषय बन चुका है, क्योंकि इटली में भी मुस्लिम आबादी में इजाफा हो रहा है।

बाबा वेंगा और उनकी विरासत

बाबा वेंगा ने अपने जीवन में कई सटीक भविष्यवाणियां कीं, जिनकी वजह से उन्हें एक महान दिव्यदर्शी के रूप में पहचाना गया। उनके अनुयायी उनकी भविष्यवाणियों को वास्तविक मानते हैं, जबकि आलोचक इसे संयोग और अटकलें मानते हैं। बावजूद इसके, उनकी भविष्यवाणियां लोगों के बीच गहरी रुचि का कारण बनीं हैं, खासकर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से दुनिया के भविष्य के बारे में।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी- एक बड़ा सवाल

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन स्थापित हो सकता है, ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। यह भविष्यवाणी यूरोप में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का परिणाम हो सकती है। हालांकि, भविष्य में क्या होगा, यह समय ही बताएगा।

-1991 में सोवियत संघ का पतन

-2001 में 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर **हमले की भविष्यवाणी**

-2004 में सुनामी और जापान में भूकंप

-बराक ओबामा का अमेरिकी राष्ट्रपति बनना

-2020 में कोविड-19 महामारी का आगमन

बाबा वेंगा का जीवन

बाबा वेंगा का जन्म 31 जनवरी 1911 को बुल्गारिया में हुआ था, और उनकी मृत्यु 11 अगस्त 1996 को हुई थी। एक दुर्घटना के कारण बचपन में उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी, लेकिन इस कठिन परिस्थिति में भी उनके पास भविष्य को देखने की अद्भुत क्षमता थी।

यही कारण था कि उन्हें बाल्कन का नोस्ट्राडेमस भी कहा जाता था। उनकी भविष्यवाणियाँ हमेशा ध्यान आकर्षित करती हैं, और उनकी कई भविष्यवाणियाँ सच भी साबित हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569